RNI No. UTTHIN/2022/81460 REGISTRATION No.: UA/DO/DDN/02/2025-27

वर्ष : 9, अंक : 06, जून 2026

देवकमल

उत्तराखंड भाजपा का वैचारिक मुखपत्र

युवा शक्ति ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत : नितिन नबीन

पंडित दीनदयाल उपाध्याय

प्रशिक्षण महाभियान-2026

जिला प्रशिक्षण वर्ग

देवकमल

वर्ष : 9, अंक: 06, जून 2026

अनुक्रमणिका

कार्यकर्ता संगठन की विचारधारा, अनुशासन और राष्ट्र प्रथम भाव के साथ कार्य करें : बी.एल. संतोष | पृष्ठ ▸▸ 08

प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति : शिव प्रकाश | पृष्ठ ▸▸ 09

भाजपा में परिवार नहीं कार्यकर्ता है सर्वोपरि : पुष्कर सिंह धामी | पृष्ठ ▸▸ 11

कार्यकर्ता आधारित संस्कृति ने भाजपा को बनाया विश्व का सबसे बड़ा दल :अजेय जी ▸▸ पृष्ठ 12
'भगत दा को पद्म भूषण मिलना उत्तराखंड के लिए सम्मान और गौरव का क्षण' ▸▸ पृष्ठ 13
हरिपुर का पुनर्जागरण से यमुना तट पर लौट रहा सनातन वैभव : पुष्कर सिंह धामी ▸▸ पृष्ठ 14
गंगोत्री से गंगासागर तक वैचारिक धारा की स्थापना ▸▸ पृष्ठ 16
धर्म बदला तो बदलेगा अधिकार : पुष्कर सिंह धामी ▸▸ पृष्ठ 18
ईमानदार राजनीति का वह 'जनरल' अब स्मृतियों में अमर रहेगा ▸▸ पृष्ठ 20
बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में भाजपा की भव्य जीत ▸▸ पृष्ठ 22
पश्चिम बंगाल में खिला कमल ▸▸ पृष्ठ 24
बंगाल अब भय से मुक्त होकर विकास और विश्वास की ओर अग्रसर है : नरेंद्र मोदी ▸▸ पृष्ठ 26
इस विजय का उत्सव मनाएं और कल से नए संकल्प के साथ आगे बढ़े : नितिन नबीन ▸▸ पृष्ठ 28
नरेंद्र मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता ▸▸ पृष्ठ 31

संरक्षक

श्री महेन्द्र भट्ट

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, उत्तराखंड

श्री पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

मार्गदर्शन

श्री अजेय जी

भाजपा प्रदेश महामंत्री (संगठन)

प्रबंध संपादक

श्रीमती विनोद उनियाल

लेआउट

ए.एस. चौहान

मूल्य
10 रुपये

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी श्रीमती विनोद उनियाल, (प्रदेश प्रमुख प्रकाशन विभाग) द्वारा भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखंड के लिए प्रदेश कार्यालय, 39/29/3 बलवीर रोड, देहरादून से प्रकाशित तथा सरस्वती प्रेस, 2 ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून से मुद्रित।

अध्यक्षीय

समृद्ध राष्ट्र के लिए जनगणना आवश्यक

महेन्द्र भट्ट
प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा, उत्तराखंड

जनगणना देश या किसी विशिष्ट क्षेत्र के सभी व्यक्तियों से संबंधित जनसांख्यिकीय, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक आंकड़ों के संग्रह, संकलन, विश्लेषण और प्रसार की प्रक्रिया है। जनगणना के माध्यम से एकत्रित सूचनाओं का विशाल भंडार इसे योजनाकारों, प्रशासकों, शोधकर्ताओं और अन्य डेटा उपयोगकर्ताओं के लिए आंकड़ों का सबसे समृद्ध स्रोत बनाता है। जनगणना गवर्नेंस के लिए एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में कार्य करती है, जो राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। जनगणना के आंकड़े ऐसी नीति निर्धारण प्रक्रिया को सुगम बनाते हैं जो समावेशी, लक्षित और जनसंख्या की विविध आवश्यकताओं के अनुरूप हो।

भारत में जनगणना के सबसे शुरुआती संदर्भ कौटिल्य के अर्थशास्त्र (321-296 ईसा पूर्व) में मिलते हैं। भारत में पहली आधुनिक जनगणना 1865 से 1872 के बीच आयोजित की गई थी, हालाँकि यह सभी क्षेत्रों में एक साथ नहीं हुई थी। भारत ने अपनी पहली समकालिक जनगणना 1881 में आयोजित की। तब से, भारतीय जनगणना हर 10 साल में आयोजित होने वाले व्यापक अभ्यासों के माध्यम से जनसंख्या के विभिन्न पहलुओं पर विश्वसनीय और समय की कसौटी पर खरे उतरे आंकड़े प्रदान कर रही है। प्रत्येक उत्तरवर्ती जनगणना ने जनसंख्या को बेहतर ढंग से समझने के लिए अपनी विधियों को परिष्कृत किया, कवरेज के दायरे को बढ़ाया और प्रश्नावली में आवश्यक बदलाव किए।

जनगणना 2027 भारतीय जनगणना की श्रृंखला में 16वीं और स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना है। हालाँकि, कोविड-19 महामारी के कारण 2021 में होने वाली जनगणना समय पर नहीं की जा सकी। इसलिए, जनगणना 2027 इस क्रम की अगली गणना है, यह विश्व का सबसे बड़ा जनगणना अभियान है, जो डिजिटल समावेशन, मजबूत डेटा सुरक्षा और प्रक्रियाओं के सरलीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह साक्ष्य-आधारित नीति निर्धारण को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। इसमें कई अग्रणी विशेषताओं को शामिल किया गया है, जैसे मोबाइल-आधारित डेटा संग्रह, जनगणना प्रबंधन और निगरानी प्रणाली (सीएमएमएस) पोर्टल के माध्यम से वास्तविक समय की निगरानी, वैकल्पिक स्व-गणना की सुविधा और सटीक भौगोलिक मानचित्रण का व्यापक उपयोग। जनसंख्या गणना के चरण के दौरान व्यापक जातिगत गणना भी की जाएगी। लगभग 30 लाख प्रक्षेत्र कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के इस विशाल कार्य को पूरा करेंगे। अत्याधुनिक डिजिटल उपकरणों की सहायता से, इस अभियान का उद्देश्य डेटा सुरक्षा और जन-भागीदारी के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करते हुए, अधिक तीव्र, सटीक और विस्तृत आंकड़े प्रदान करना है।

भारतीय जनगणना 2027 की एक प्रमुख विशेषता के रूप में जातिगत गणना उभर कर सामने आई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2011 की जनगणना तक, इस प्रक्रिया में केवल अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की ही व्यवस्थित गणना की जाती थी। हालांकि, 30 अप्रैल 2025 को राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीपीए) द्वारा लिए गए निर्णय के बाद, अब जनगणना 2027 के तहत जातिगत गणना भी की जाएगी।

प्रदेश के सभी नागरिकों से यह अपेक्षा है कि वह अद्यतन एवं विस्तृत आंकड़े उपलब्ध कराकर इस प्रणाली को और अधिक मजबूत करे। यह पहल अधिक सटीक व तथ्य-परक नियोजन का आधार बनेगी और तीव्र गति से बदलते सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य की उभरती चुनौतियों से निपटने में सहायक सिद्ध होगी।

सम्पादकीय

संगठन को नई ऊर्जा, कार्यकर्ताओं को नया विश्वास दे गए राष्ट्रीय अध्यक्ष

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन का उत्तराखंड प्रवास केवल एक संगठनात्मक कार्यक्रम भर नहीं था, बल्कि यह राज्य में पार्टी की भावी दिशा, कार्यकर्ता मनोबल और संगठनात्मक मजबूती के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे समय में जब उत्तराखंड भाजपा लगातार चुनावी सफलताओं और जनविश्वास के बल पर आगे बढ़ रही है, राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह दौरा संगठन के लिए नए उत्साह, नई ऊर्जा और नए संकल्प का संदेश लेकर आया है। किसी भी राजनीतिक दल की वास्तविक शक्ति उसके कार्यकर्ताओं में निहित होती है। भाजपा ने अपने गठन काल से ही कार्यकर्ता आधारित राजनीति को अपनी सबसे बड़ी पूंजी माना है। यही कारण है कि पार्टी ने सत्ता और संगठन के बीच संतुलन बनाते हुए बूथ स्तर तक मजबूत नेटवर्क तैयार किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन ने अपने प्रवास के दौरान इसी संगठनात्मक संस्कृति को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को स्मरण कराया कि भाजपा केवल चुनाव जीतने वाला राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य करने वाला वैचारिक आंदोलन भी है।

उत्तराखंड की राजनीतिक परिस्थितियों में इस प्रवास का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि राज्य में भाजपा सरकार विकास और सुशासन के एजेंडे पर निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार ने नकल विरोधी कानून, यूसीसी, रोजगार, आधारभूत संरचना, निवेश, पर्यटन, धार्मिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के क्षेत्र में अनेक पहल की हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के साथ-साथ जनभावनाओं को समझने और समाज के प्रत्येक वर्ग से संवाद बनाए रखने का संदेश दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन ने कार्यकर्ताओं को दिए अपने संदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा की सफलता यह दर्शाती है कि पार्टी का जनाधार निरंतर विस्तार कर रहा है। इन राज्यों के परिणामों ने यह प्रमाणित किया है कि भाजपा की विचारधारा, संगठनात्मक क्षमता और विकास आधारित राजनीति को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हो रहा है। यह सफलता कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और संगठन की सुदृढ़ कार्यप्रणाली का परिणाम है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन का प्रवास कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी रहा। उन्होंने संगठनात्मक बैठकों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अनुशासन, समर्पण और सेवा भाव को भाजपा की सबसे बड़ी पहचान बताया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक सफलता का स्थायी आधार केवल चुनावी गणित नहीं, बल्कि समाज के बीच निरंतर उपस्थिति और जनसेवा का भाव है। यह संदेश ऐसे समय में और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है जब राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता और सामाजिक उत्तरदायित्व की अपेक्षा लगातार बढ़ रही है। भाजपा की कार्यपद्धति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह संगठन को केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रखती। सेवा, संपर्क और सामाजिक दायित्व उसके मूल चरित्र का हिस्सा हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को इसी परंपरा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी समस्याओं को समझे और समाधान का माध्यम बने। यही अंत्योदय की भावना भाजपा की विचारधारा का मूल आधार है।

●विनोद उनियाल

युवा शक्ति ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत : नितिन नबीन

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नीतिन नबीन का उत्तराखंड प्रवास संगठनात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण, प्रेरणादायी और दूरगामी प्रभावों वाला सिद्ध हुआ। यह प्रवास केवल बैठकों और औपचारिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने संगठन की वैचारिक चेतना, कार्यसंस्कृति और भविष्य की रणनीतिक दिशा को नई गति प्रदान की। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने संवादों, मार्गदर्शन और संगठनात्मक विमर्श के माध्यम से कार्यकर्ताओं में यह भाव सुदृढ़ किया कि भाजपा की वास्तविक शक्ति उसकी विचारनिष्ठ कार्यकर्ता परंपरा,अनुशासित संगठनात्मक संरचना और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने वाली कार्यपद्धति में निहित है।

उत्तराखंड की देवभूमि में उनके प्रवास ने संगठन के प्रत्येक स्तर पर सक्रियता, आत्मविश्वास व उत्तरदायित्वबोध का नया संचार किया। उन्होंने बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण, सामाजिक विस्तार और जनसरोकारों से निरंतर जुड़ाव को भाजपा की सफलता का मूल मंत्र बताया। उनके उद्बोधनों में संगठन को केवल राजनीतिक इकाई नहीं, बल्कि राष्ट्र के पुनर्निर्माण और सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम मानने की स्पष्ट वैचारिक प्रतिबद्धता परिलक्षित थी। विशेष रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को आगामी चुनौतियों और अवसरों के प्रति सजग करते हुए संगठन की सामूहिक शक्ति, समन्वित कार्यशैली और सेवा-समर्पण की परंपरा को और अधिक प्रखर बनाने का आह्वान किया। उनके प्रवास ने कार्यकर्ताओं में नवसंकल्प, नवउत्साह और विजय के प्रति अटूट विश्वास का संचार किया। यह दौरा संगठन के लिए मात्र एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्ममंथन, आत्मविश्वास और संगठनात्मक पुनर्जागरण का ऐसा अवसर बनकर उभरा, जिसकी सकारात्मक ऊर्जा आने वाले वर्षों में भाजपा के विस्तार और सशक्तीकरण की आधारशिला सिद्ध होगी।

उत्तराखंड भारतीय जनता पार्टी परिवार ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन का देवभूमि में प्रथम आगमन पर प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट, मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय जी के नेतृत्व में अभूतपूर्व स्वागत किया है। राज्य में अपने शीर्ष नेतृत्व की पहली संगठनात्मक यात्रा को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं व आम जनता में भारी उत्साह दिखाई दिया। पारंपरिक एवं सांस्कृतिक परिधानों में महिलाओं, युवाओं और अन्य कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा और गगनभेदी नारों से स्वागत किया। जौलीग्रांट हवाई अड्डे पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट द्वारा पूरी राज्य इकाई की ओर से भव्य अभिनंदन किया गया। इसके पश्चात वहां से जौलीग्रांट एयरपोर्ट, हिमालयन अस्पताल चौक, कैलाश हॉस्पिटल, रिस्पना पुल, चंचल डेयरी, फव्वारा चौक, बलबीर रोड पर पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान देवभूमि की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को प्रदर्शित करते हुए पारंपरिक वाद्य यंत्रों की थाप और लोक नृत्यों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष का सत्कार किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट और मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश आगमन के लिए संगठन के शीर्षस्थ नेतृत्व नेतृत्व का आभार जताया।

हम राष्ट्र निर्माण का संकल्प लें:नितिन नबीन

देहरादून राजपुर स्थित एक होटल में आयोजित सांसद-विधायक, प्रदेश पदाधिकारी और जिला पदाधिकारियों की बैठक को अलग-अलग सत्रों में संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन ने देवभूमि से हमेशा भगवा संदेश को देश दुनिया में ले जाने लक्ष्य के साथ 2027 चुनाव में जीत का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में हमारी सरकार संस्कृतिक राष्ट्रवादी विचारों की सरकार है, जिसका प्रचंड बहुमत से वापस आना आावश्यक है। देवभूमि से भगवा हमेशा का देश भर में जारी रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारे सभी कार्यकर्ताओं में मन मुताबिक परिणाम लाने की क्षमता है। हमे फिर सरकार लाने के जुनून के साथ बूथ और शक्ति केंद्रों पर जाकर उन्हें मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि हमें आने वाले 20 वर्षों के लिए पार्टी को मजबूत करना है। ताकि विकसित भारत का जो सपना देशवासियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देखा उसे साकार किया जा सके। उन्होंने कहा कि हमारी पूर्ववर्ती पीढ़ी ने बहुत संघर्ष से हमें सफलता के इस ऊंचाई पर पहुंचाया है अब हमें अपनी कर्मठता और क्षमता से आने वाले पीढ़ी को पार्टी का और स्वर्णिम दौर लाकर देना है।

इस अवसर कर राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बी एल संतोष ने अपने सम्बोधन में कहा कि बूथ का गठन सिर्फ चुनाव की दृष्टि से नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे 365 दिन सक्रिय रखना है। हमे सरकार भी लानी है और आम लोगों को विकसित भारत निर्माण में सहयोग के लिए भी तैयार करना है। उन्होंने निर्देश दिए कि शीघ्र पार्टी कार्यक्रमों और विशेषकर मन की बात एवं बूथ कमेटी बैठकों की गति को तेज किया जाए। हम सभी कार्यकर्ताओं को सरकार के कार्यों और उपलब्धियों को बूथ इकाई के माध्यम से नीचे तक पहुंचाना है।

वहीं मुख्यमंत्री श्री पुष्कर धामी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री

नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन जी के नेतृत्व में गंगोत्री से गंगा सागर तक भगवा लहरा रहा है। उन्होंने राज्य का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश आज सतत विकास सूचकांकों और इज ऑफ डूइंग बिजनेस को लेकर शीर्ष स्थान पर है, बेरोजगारी की दर राष्ट्रीय स्तर से भी नीचे है, रिवर्स पलायन में 44% तक वृद्धि हुई है। इसी तरह यूसीसी, लैंड, लव सभी तरह के जिहाद को समाप्त करने का काम हमने किया है। वहीं विपक्ष की नकारत्मक राजनीति का जिक्र करते हुए कहा कि झूठ के पांव नहीं होते हैं हमें बस मजबूती के साथ अपने कामों और विचारों को आगे बढ़ाना है।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने कहा, हमें ध्यान रखना चाहिए कि हम सिर्फ राजनीतिक दल नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का संकल्प है। हमारी डबल इंजन सरकार की अनेक उपलब्धियां हमारे साथ हैं हमें बस उसकी चर्चा बूथ स्तर तक लेकर जानी है। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता लक्ष्य को पूरा करते हुए 2027 में तीसरी बार सरकार लेकर आएगा। ●प्रस्तुतिः देवकमल

उच्च शिक्षा समृद्ध भारत की आधारशिला

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन ने शिवालिक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, देहरादून में 'विकसित भारत 2047 के निर्माण में उच्च शिक्षा का महत्त्व' विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत के निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान और कौशल विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं, जो भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली के प्राचीन गौरव को पुनर्स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। यह नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, नवाचार, अनुसंधान एवं व्यावहारिक कौशल को बढ़ावा देने के साथ उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आज विश्व का प्रमुख स्टार्टअप हब बन रहा है तथा डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने भारत की विकास यात्रा को नई गति प्रदान की है। उन्होंने कहा कि आज भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बना रहा है।

प्रवास के अंतिम दिन बूथ पर पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन ने देवभूमि प्रवास के अंतिम दिन की शुरुआत टपकेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान समूचा मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार से गुंजायमान होता रहा।

श्री नितिन नबीन ने पूजा-अर्चना के पश्चात बूथ समिति के साथ बैठक से की। उन्होंने बूथ को संगठन की रीढ़ बताते हुए कार्यकर्ताओं से मिलकर उनका हौसला बढ़ाया और आगामी कार्यक्रमों को लेकर उनसे जमीनी हकीकत का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने टपकेश्वर कॉलोनी गढ़ी कैंट के बूथ संख्या 140 पहुंचे। उन्होंने स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ अनौपचारिक चर्चा की और क्षेत्र के जमीनी हालातों व सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का फीडबैक लिया। संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने डाकरा बाजार स्थित बूथ संख्या 138 पहुंचे। यहाँ बूथ अध्यक्ष श्री राजेश कुमार भंडारी के आवास पर उन्होंने बूथ समिति के कार्यकर्ता से संवाद किया और 'बूथ जीता, तो चुनाव जीता' का जीत का मंत्र दिया।

युवा शक्ति ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत : नितिन नबीन

मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित 'युवा शक्ति संवाद' कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये युवाओं ने सहभागिता की। युवाओं ने राष्ट्र निर्माण, रोजगार, स्टार्टअप, नवाचार, शिक्षा, कौशल विकास तथा उत्तराखंड के भविष्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार एवं सुझाव साझा किए। श्री नितिन नबीन ने युवाओं के प्रश्नों का विस्तार से उत्तर देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी युवाओं को केवल मतदाता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भागीदार मानती रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का युवा आज अवसरों के एक नए युग का साक्षी बन रहा है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया मेक इन इंडिया तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने युवाओं को अपनी प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ने के अभूतपूर्व अवसर प्रदान किए हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति और अमूल्य पूंजी होते हैं। यदि युवाओं को सही दिशा, उचित अवसर और सकारात्मक वातावरण प्राप्त हो तो वे न केवल अपने जीवन को सफल बनाते हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास की नई इबारत भी लिखते हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और इसी उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य सरकार युवाओं के सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की सबसे युवा शक्ति वाले देशों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री की दूरदर्शी नीतियों के कारण युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, अनुसंधान, नवाचार, डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप और स्वरोजगार के क्षेत्र में नए अवसर प्राप्त हुए हैं। आज भारत का युवा नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बन रहा है।

मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू कर भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है। पिछले चार वर्षों में 32 हजार से अधिक युवाओं को पारदर्शी एवं निष्पक्ष प्रक्रिया के माध्यम से सरकारी रोजगार उपलब्ध कराए गए हैं। इसके साथ ही स्वरोजगार, स्टार्टअप, पर्यटन, कृषि, खेल एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में भी युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार का उद्देश्य केवल विकास कार्यों को गति देना नहीं, बल्कि ऐसे अवसरों का निर्माण करना भी है, जिनसे प्रदेश का प्रत्येक युवा अपनी प्रतिभा के बल पर आगे बढ़ सके। उत्तराखंड का युवा आज नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और संकल्प के साथ विकसित उत्तराखंड तथा विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। ●**प्रस्तुतिः सत्यवीर सिंह चौहान**

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत काशीपुर में बोले राष्ट्रीय महामंत्री

कार्यकर्ता संगठन की विचारधारा, अनुशासन और राष्ट्र प्रथम भाव के साथ कार्य करें: बी.एल. संतोष

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 अंतर्गत भाजपा के संगठनात्मक जिले काशीपुर मे भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बीएल संतोष ने दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतिम सत्र को अत्यंत भव्य, अनुशासित व उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न किया। दूसरे दिन प्रशिक्षण में छह महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए। जिनमें व्यावहारिक सत्र, स्थायी कार्यक्रम एवं बूथ प्रबंधन, मन की बात, सोशल मीडिया प्रबंधन, केंद्र, राज्य सरकारों की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में जिलेभर से आए भाजपा पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, शक्ति केंद्र संयोजकों, बूथ अध्यक्षों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। संपूर्ण परिसर भाजपा के संगठनात्मक उत्साह, राष्ट्रवादी विचारधारा व कार्यकर्ताओं के जोश से ओत-प्रोत दिखाई दिया।

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बीएल संतोष ने अंतिम सत्र में 'विचार परिवार' को संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, अनुशासन और राष्ट्र प्रथम भाव के साथ कार्य करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा एक राजनीतिक दल नहीं, विचार और संस्कारों का परिवार है और कार्यकर्ताओं से समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा, समर्पण और संगठन के मूल मंत्र के साथ पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के आचरण, विकास गुण व अपेक्षाएं विषय पर विस्तारपूर्वक अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता केवल चुनाव जीतने के लिए कार्य नहीं करता बल्कि समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण एवं जनजागरण के उद्देश्य से कार्य करता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से विनम्रता, अनुशासन, सकारात्मक सोच व समाज के प्रति समर्पण की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग केवल जानकारी प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि वैचारिक मजबूती, संगठनात्मक क्षमता और राष्ट्र सेवा के संकल्प को और सशक्त बनाने का अवसर है। कार्यकर्ताओं को भाजपा के इतिहास, विचारधारा और संगठनात्मक संस्कृति को समझकर समाज के बीच ले जाना चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) ने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। समाज के हर वर्ग से संवाद स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है और कार्यकर्ताओं की मेहनत व समर्पण के बल पर ही पार्टी निरंतर सफलता के नए आयाम स्थापित कर रही है। ●प्रस्तुतिः देवकमल

प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति : शिव प्रकाश

भाजपा उत्तराखंड के वर्तमान में चल रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर का भाजपा के राष्ट्रीय सह-महामंत्री (संगठन) श्री शिव प्रकाश ने 'भारत के प्रथम गांव' गूंजी, जो समुद्र तल से लगभग 10500 फीट की ऊंचाई पर स्थित है में दीप प्रज्वलित कर प्रथम सत्र का उद्घाटन किया। श्री शिव प्रकाश ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बतौर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित होकर कार्यकर्ताओं को भाजपा की विचारधारा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानव दर्शन', सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, पंच निष्ठा और अंत्योदय के सिद्धांतों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यकर्ता निर्माण की कुंजी है। पार्टी की रीति नीति, कार्य पद्धति, इतिहास विकास से कार्यकर्ताओं को परिचित कराना, यह महत्वपूर्ण है। भाजपा का एक प्रशिक्षित कार्यकर्ता हमारे विरोधियों के सैकड़ों पर भारी पड़ता है। भाजपा मां भारती को सर्वोच्च शिखर पर आसीन करने के लिए संकल्पित है। हमारे पूर्वजों ने जो दृढ़ संकल्प लिया है उसे पूरा करने की जिम्मेदारी आज की पीढ़ी पर है। भारत को आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए पार्टी के करोड़ों प्रशिक्षित विचारवान कार्यकर्ता जरूरी है।

इस प्रशिक्षण वर्ग का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं की वैचारिक क्षमता, राष्ट्रनिष्ठा और संगठन की कार्यप्रणाली को मजबूत करना है। उनके प्रेरक मार्गदर्शन ने कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक जीवन, वैचारिक स्पष्टता एवं राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समर्पण भाव से कार्य करने की नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की। श्री शिव प्रकाश ने कहा कि हमारे लिए राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का साधन नहीं है। समाज को अपेक्षित दिशा में प्रगति पथ पर ले जाना भी उसका कार्य है। इसके लिये संगत दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, आज भारत के सभी राजनैतिक दल विचारधारा शून्यता के शिकार हैं। भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद तथा पंचनिष्ठाओं की संगत विचारधाराओं के आधार पर संगठन का नियमन कर रही है। शासन की नीति में भी इनका समुचित प्रतिबिम्बन हो रहा है। ध्येनिष्ठ कार्यकर्ताओं की शक्ति एवं सरकार का सुनियमन सुशासन की गारंटी है। 12 साल का केन्द्रीय शासन एवं प्रदेशों में भाजपा की सरकारों ने अन्य दलों की सरकारों की तुलना में अच्छा शासन दिया है। गत 12 वर्षों से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सकारात्मक सुशासन की प्रक्रिया तीव्र गति से चल रही है। व्यवस्थाओं की पुरानी विकृतियों का शमन करने में अभी भी कुछ वक्त लगेगा।

●प्रस्तुतिः देवकमल

भाजपा की राजनीति सदैव सिद्धांत आधारित रहीः महेंद्र भट्ट

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट ने प्रशिक्षण शिविर में भाजपा का इतिहास एवं विकास यात्रा विषय पर प्रेरणादायी एवं विस्तृत संबोधन दिया। कोटद्वार में प्रशिक्षण शिविर में श्री महेंद्र भट्ट ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं बल्कि राष्ट्रवादी विचारधारा पर आधारित एक व्यापक जनआंदोलन है। पार्टी की नींव पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवाद और श्रदेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के सुशासन के सिद्धांतों पर खड़ी है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा है तथा कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। गरीब कल्याण, महिला सशक्तीकरण, युवाओं के रोजगार, किसानों के सम्मान, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत एवं राष्ट्रीय सुरक्षा को नई पहचान दी है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की राजनीति सदैव सिद्धांत आधारित रही है। भाजपा की

सबसे बड़ी शक्ति उसका समर्पित कार्यकर्ता है। भाजपा में बूथ स्तर का कार्यकर्ता भी संगठन की रीढ़ माना जाता है। यही कार्यकर्ता आधारित संस्कृति भाजपा को अन्य राजनीतिक दलों से अलग पहचान देती है। आज भाजपा के नेतृत्व में भारत विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के अवसर, आधारभूत संरचना के विकास, डिजिटल परिवर्तन तथा वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत पहचान भाजपा सरकारों की प्राथमिकता रही है।

'भाजपा का इतिहास और विकास' विषय पर केंद्रित जिला प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र में श्री महेंद्र भट्ट ने कहा कि स्थापना के 50 वर्ष से भी कम समय में भाजपा ने दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में केंद्र और देश के 22 राज्यों में राष्ट्रवाद की विचारधारा को लागू करने के अभियान को आगे बढ़ाया है।

राष्ट्र प्रथम के भाव से पार्टी के संस्थापकों ने जो मूल्य, आदर्श और संस्कार दिए हैं, उन्हीं का अनुसरण करते हुए कार्यकर्ता जब राष्ट्रवाद की बात करते हैं तो देश ही नहीं दुनिया के भारतवंशियों के सामने पार्टी के रूप में सिर्फ भाजपा का ही चेहरा और कमल का फूल चुनाव निशान सामने होता है। 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान निर्मित हुआ और 26 जनवरी 1950 को भारत ने अपना संविधान अंगीकार किया। देश मे संसदीय प्रणाली लागू हुई, पर अभी पहला आम चुनाव भी नहीं हुआ कि कांग्रेस ने तुष्टिकरण के जिन कारणों से देश का विभाजन हुआ था, उसे ही फिर से भारत की राजनीति का हिस्सा बनाना प्रारंभ कर दिया। अभी संविधान ठीक ढंग से लागू होना प्रारंभ नहीं हुआ कि कांग्रेस ने तुष्टिकरण का खेल प्रारंभ किया। उन्होंने कहा कि ऐसे में राष्ट्रीय स्वयं सेवकसंघ को लगा कि एक ऐसा दल गठित करना चाहिए, जो भारत की राष्ट्रीयता और बेहतर

भविष्य के लिए कार्ययोजना बनाने में योगदान दे सके। तब भारत सरकार के मंत्री पद से इस्तीफा देकर देश के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में यह जिम्मेदारी दी गई।

पंडित उपाध्याय एक ऐसे विचारक थे, जिन्होंने अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति के लिए भी शासन की योजनाओं का लाभ देने की बात कही, उसकी वकालत की। उन्होंने कहा था कि समृद्धि का आधार ऊंचे पायदान पर बैठा हुआ व्यक्ति नहीं हो सकता। समाज के अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति के चेहरे पर खुशहाली ही राष्ट्र की समृद्धि का आधार होना चाहिए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के साथ भी विश्वासघात हुआ और उनकी असमय मृत्यु हुई। 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी का गठन श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में किया गया। 1985 के संसदीय चुनाव में भाजपा के मात्र दो सांसद जीते थे और आज देश ही नहीं, दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में भाजपा का उदय पूरी दुनिया के सामने है। ●प्रस्तुतिः देवकमल

'मेरा भारत मेरा योगदान' की ओर एक और कदम

भाजपा ने 'मेरा भारत, मेरा योगदान' नामक एक राष्ट्रीय अभियान की शुरुआत की है, जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नागरिकों से ईंधन की खपत कम करने की अपील के बाद शुरू किया गया है। यह अपील पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच की गई है। इस जन जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने, ऊर्जा की बचत करने और अपने दैनिक आदतों में बदलाव करके सरल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

भाजपा के नेता और कार्यकर्ता प्रधानमंत्री की अपील का अनुसरण कर रहे है। इस पहल का जीवंत स्वरूप भाजपा उत्तराखंड में भी देखने को मिल रहा है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता श्री नवीन ठाकुर ने प्रधानमंत्री के इस पहल का अनुसरण किया है। वर्तमान में भाजपा के सांगठनिक स्तर पर चल रहे जिला प्रशिक्षण वर्ग में अपने गृह विधानसभा क्षेत्र सहसपुर से चंपावत विधानसभा और उत्तरकाशी तक स्कूटी के माध्यम से एक चुनौती पूर्ण लंबी यात्रा की है। और यही नहीं उन्होंने एक कदम आगे आकर अपने गृह विधानसभा सहसपुर से पिछले 19 दिनों से साइकिल के माध्यम से भाजपा कार्यालय आना या भाजपा के अन्य कार्यक्रमों में जाना सुनिश्चित किया है।प्रधानमंत्री जी का अनुसरण वह निरंतर कर रहे हैं जिससे समाज में एक बड़े व्यापक स्वरूप में अच्छा संदेश जा रहा है। ●प्रस्तुतिः देवकमल

भाजपा में परिवार नहीं कार्यकर्ता है सर्वोपरिः पुष्कर सिंह धामी

भाजपा के संगठनात्मक जिला कोटद्वार में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने जिला प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ किया। जिला प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने से पहले मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई विकास प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इसमें केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकासपरक उपलब्धियों और कोटद्वार के विकास को प्रदर्शित किया गया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा दुनिया का सर्वाधिक सदस्यों वाला राजनीतिक दल है। राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ भाजपा के संस्थापकों ने जो संस्कार कार्यकर्ताओं को दिए है आज उसी का परिणाम है कि जब राजनीति में मूल्यों, आदर्शों और राष्ट्रवाद की बात होती है तो विश्व में जहां कहीं भी भारतवंशी रहता है, उसके मानसपटल पर भाजपा और कमल के फूल का निशान उभरता है।

मुख्यमंत्री ने अपने वक्तव्य में कहा कि लोकतंत्र मजबूत होना चाहिए। परिवारवाद, क्षेत्रवाद, मत और मजहब से ऊपर उठकर हमें देश के बारे में सोचना चाहिए और भाजपा यही करती है। भाजपा एक ऐसा वैचारिक अधिष्ठान है जहां भाजपा की सबसे छोटी इकाई का बूथ अध्यक्ष भी राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री तक बन सकता है। कारण, यहां परिवार नहीं बल्कि पार्टी और कार्यकर्ता मायने रखता है।

श्री धामी ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि हमारी असली ताकत हमारे बूथ में छिपी है । बूथ ही चुनाव का केंद्र बिंदु होता है। हमें बूथ पर सतत शक्तिशाली संरचना तैयार करनी होगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भी एक बात दोहराते हैं कि 'बूथ जीता तो चुनाव जीता'। हमारा केंद्र बिंदु हमारा बूथ होना चाहिए और

उस बूथ की ताकत का एहसास कराने के लिए हम सब इस प्रशिक्षण के साथ ही लगातार उस अभियान का हिस्सा बनें, जो असली कुरुक्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी को विजयश्री की ओर अग्रसर कर सके। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग संगठन को वैचारिक रूप से सशक्त बनाने का माध्यम है और यह कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता तथा सामाजिक दायित्वों को मजबूत करता है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनी, जो आज 'सबका साथ, सबका विकास' ध्येय वाक्य के साथ भारत का पुनर्निर्माण कर रही है। 26 मई, 2014 को श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण की। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने कम समय में ही अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने विश्व में भारत की गरिमा को पुनःस्थापित किया, राजनीति पर लोगों के विश्वास को फिर से स्थापित किया। अनेक अभिनव योजनाओं के माध्यम से नए युग की शुरुआत की। अन्त्योदय, सुशासन, विकास एवं समृद्धि के रास्ते पर देश बढ़ चला है। आर्थिक और सामाजिक सुधार सुरक्षित जीवन जीने का मार्ग उपलब्ध करा रहे हैं। किसानों के लिये ऋण से लेकर खाद तक की नयी नीतियां जैसे प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, सॉयल हेल्थ कार्ड, आदि ने कृषि के तीव्र विकास की अलख जगायी है। ये नया युग है सुशासन का। चाहे आदर्श ग्राम योजना हो, स्वच्छता अभियान या फिर योग के सहारे भारत को स्वथ्य बनाने का अभियान, इन सभी कदमों से देश को एक नयी ऊर्जा मिली है। भाजपा की मोदी सरकार ने 'मेक इन इंडिया', 'स्किल इंडिया', अमृत मिशन, दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना, डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं से भारत को आधुनिक और सशक्त बनाने की दिशा में मजबूत कदम उठाया है। जनधन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढाओ, सुकन्या समृद्धि योजना जैसी अनेक योजनाएं देश में एक नयी क्रांति का सूत्रपात कर रही हैं। भाजपा सरकार ने देशवासियों को विश्व की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा योजना का उपहार दिया है।

●प्रस्तुतिः देवकमल

कार्यकर्ता आधारित संस्कृति ने भाजपा को बनाया विश्व का सबसे बड़ा दल :अजेय जी

पंडित दीनदयाल उपाध्याय दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय जी ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि व्यवहार व रचनात्मक कार्य भाजपा की कार्यपद्धति है। इसी के बल पर भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनैतिक दल बना है। उन्होंने कहा कि पार्टी में सभी निर्णय सामूहिक विचार, विमर्श के बाद लिए जाते हैं। देश की अधिकांश पार्टियां आज परिवार की विरासत तक सिमट गई है लेकिन भाजपा अपने वैचारिक अधिष्ठान और अथक परिश्रम के बल पर दुनिया की सर्वाधिक सदस्यों वाली पार्टी बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता 'राष्ट्र प्रथम' के भाव से भरे हैं, जिसका परिणाम है कि आज भारत विश्व में बड़े शान के साथ अपना परचम लहरा रहा है, भारत के तिरंगे की ताकत बढ़ी है। राष्ट्र प्रथम के भाव से भरे हुए कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने विचार परिवार की उस व्यापक अवधारणा को स्पष्ट किया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से राष्ट्र जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले संगठन सामाजिक, शैक्षिक, श्रमिक, किसान, युवा, महिला एवं सेवा कार्यों से जुड़े संगठनों का समन्वित योगदान निहित है। उन्होंने बताया कि विचार परिवार केवल संगठनों का समूह नहीं, बल्कि राष्ट्र प्रथम की भावना से प्रेरित एक वैचारिक एवं सांस्कृतिक चेतना है, जो समाज के प्रत्येक वर्ग तक सकारात्मक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेकर पहुंचती है।

श्री अजेय जी ने संबोधित करते हुए कहा कि निरंतर संपर्क और संवाद स्थापित करना पार्टी की कार्य पद्धति है। भाजपा कार्यकर्ताओं का जनता के बीच निरंतर सम्पर्क एवं संवाद ही पार्टी की ताकत है। भाजपा के बूथ स्तर तक प्रत्येक कार्यकर्ता से सम्पर्क और संवाद साथ ही कार्यकर्ताओं का जनता से निरंतर सम्पर्क और संवाद स्थापित करना पार्टी की कार्य पद्धति का महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर महानगर, जिले, मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर पर पार्टी के कार्यक्रम और बैठक कार्यकर्ताओं के साथ आयोजित होने चाहिए। जिससे कार्यकर्ताओं में उत्साह, ऊर्जा और शक्ति का संचार होता रहे। इसके साथ ही क्षेत्र के प्रबुद्ध और सामाजिक वर्ग के लोगों का मार्गदर्शन संगठन के लिए कार्य करने की क्षमता और योग्यता का विकास करते हैं। भाजपा की यात्रा केवल एक राजनीतिक दल के विस्तार की कहानी नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक चेतना, सेवा, संघर्ष और अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के संकल्प की ऐतिहासिक यात्रा है। भाजपा का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोच्च रखते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सम्मान पहुंचाना है। वर्ष 1951 में स्थापित भारतीय जनसंघ से लेकर आज विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित भाजपा तक की यात्रा संघर्ष, समर्पण और कार्यकर्ताओं की तपस्या का परिणाम है। प्रारंभिक दौर में सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बावजूद कार्यकर्ताओं ने विचारधारा से समझौता नहीं किया और संगठन को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया।

भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसका समर्पित कार्यकर्ता है। भाजपा में बूथ स्तर का कार्यकर्ता भी संगठन की रीढ़ माना जाता है। यही कार्यकर्ता आधारित संस्कृति भाजपा को अन्य राजनीतिक दलों से अलग पहचान देती है। आज भाजपा के नेतृत्व में भारत विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के अवसर, आधारभूत संरचना के विकास, डिजिटल परिवर्तन तथा वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत पहचान भाजपा सरकारों की प्राथमिकता रही है।

कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग केवल जानकारी प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि वैचारिक मजबूती, संगठनात्मक क्षमता और राष्ट्र सेवा के संकल्प को और सशक्त बनाने का अवसर है। कार्यकर्ताओं को भाजपा के इतिहास, विचारधारा और संगठनात्मक संस्कृति को समझकर समाज के बीच ले जाना चाहिए।

●प्रस्तुतिः देवकमल

‘भगत दा को पद्म भूषण मिलना उत्तराखंड के लिए सम्मान और गौरव का क्षण’

देवभूमि उत्तराखंड के महानुभावो ने समय-समय पर राज्य को गौरवान्वित किया है और इसी परंपरा को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं महाराष्ट्र और गोवा के राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी ने आगे बढ़ाया है। उन्हें यह पुरस्कार लोक कार्य और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए नई दिल्ली में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया गया है। यह संपूर्ण उत्तराखंड वासियों के लिए गौरव का विषय है। श्री भगत सिंह कोश्यारी, जिन्हें उत्तराखण्ड राज्य में 'भगत दा' के नाम से जाना जाता है, एक प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद, पत्रकार और समर्पित राष्ट्रवादी नेता हैं, जिन्होंने अपना जीवन जन सेवा और समाज के गरीब और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया है।

17 जून, 1942 को बागेश्वर जिले के पहाड़ी इलाके के सुदूर गांव पलानधुरा में जन्मे श्री कोश्यारी ने अपनी ग्रामीण पृष्ठभूमि के बावजूद दृढ़ संकल्प के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त की और 1964 में आगरा विश्वविद्यालय से संबद्ध अल्मोड़ा कॉलेज से अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी की। उन्होंने 1964-1965 के दौरान राजा का रामपुर (एटा, उत्तर प्रदेश) में व्याख्याता के रूप में अपने पेशेवर जीवन की शुरुआत की, हालांकि शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दृष्टि से प्रेरित होकर, उन्होंने 1965 के बाद से स्वयं को पूरी तरह से शैक्षणिक और समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने पिथौरागढ़ में विवेकानंद इंटर कॉलेज की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और सरस्वती विहार, नैनीताल से सक्रिय रूप से जुड़े रहे। कई वर्षों तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के विभाग कार्यवाह के रूप में कार्य किया और बाद में उत्तरांचल उत्थान परिषद के सचिव बने, जो दशकों से उत्तराखण्ड में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के विकास के लिए समर्पित संगठन है।

श्री कोश्यारी ने जागरूकता और सामाजिक चेतना को बढ़ावा देने के लिए पिथौरागढ़ से हिंदी साप्ताहिक "पर्वत पीयूष" के प्रकाशन की भी शुरुआत की। राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान, उन्हें आंतरिक सुरक्षा रख-रखाव अधिनियम (मीसा) के तहत गिरफ्तार किया गया था, जो सार्वजनिक जीवन में उनकी सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है। वर्ष 1997 में श्री कोश्यारी को उत्तर प्रदेश विधान परिषद के लिए नामित किया गया था। नवंबर 2000 में उत्तराखण्ड के गठन के बाद, वह राज्य के पहले मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री बने। बाद में उन्होंने थोड़े समय के लिए उत्तरांचल (अब उत्तराखण्ड) के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने उत्तराखण्ड विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में भी काम किया। वर्ष 2008 में वह राज्य सभा के लिए चुने गए और

2014 में वह नैनीताल-ऊधमसिंह नगर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए। उत्तराखण्ड में ऊर्जा मंत्री के रूप में, उन्होंने लंबे समय से लंबित टिहरी हाइड्रो परियोजना को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें टिहरी के ऐतिहासिक शहर और जिला मुख्यालय का स्थानांतरण शामिल था। उन्होंने राज्यसभा और लोकसभा दोनों में याचिका समिति के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया, जहां उन्होंने ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन सहित वन रैंक वन पेंशन, रेल कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के विकास जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक मुद्दों पर विस्तृत सिफारिशें प्रस्तुत कीं। उन्हें 5 सितंबर, 2019 को महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने प्रभावी ढंग से सेवा की। अगस्त 2020 में उन्हें गोवा के राज्यपाल (अतिरिक्त प्रभार) के रूप में भी नियुक्त किया गया था। उनका जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पण, नेतृत्व और अटूट सेवा का एक प्रेरक उदाहरण है।

प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने कहा, ये पुरस्कार भगत दा की सादगी, समर्पण और राष्ट्रसेवा की अनवरत यात्रा का सम्मान है। उन्होंने प्रदेश में पार्टी के संरक्षक और मार्गदर्शक श्री कोश्यारी को मिले पद्म भूषण के गौरवपूर्ण निर्णय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री श्री अमित शाह का उत्तराखंड की जनता की ओर से आभार व्यक्त किया। अपने बधाई संदेश में कहा कि श्रद्धेय कोश्यारी जी का पूरा जीवन राष्ट्र और समाज के लिए समर्पित रहा है। उनको यह सम्मान मिलना उत्तराखंड के लिए गौरव की बात है। श्री महेंद्र भट्ट ने श्री भगत दा को शुभकामनाओं के साथ उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की है। ● **प्रस्तुतिः देवकमल**

हरिपुर का पुनर्जागरण से यमुना तट पर लौट रहा सनातन वैभवः पुष्कर सिंह धामी

हिमालय के प्रमुख तीर्थ स्थलों में जौनसार -बावर की तलहटी अर्थात जौनसार के आंगन में बसा एक पौराणिक शहर हरिपुर जो रामायण काल (यमुना देश) से हिंदू धर्मवलंबियों के लिए बहुत महत्व का रहा है। इसे महाभारत काल में कुलिंद एवं वर्तमान में जौनसार-बावर के नाम से जाना जाता है। ये स्थान इतना प्रसिद्ध था कि राजतरंगिणी और अष्टाध्यायी तक में इस स्थान का महत्व बताया गया है। आज सनातन धर्म के संस्कारों और व्रत त्यौहारों के लिए जो मान्यता हरिद्वार और ऋषिकेश को प्राप्त है, वही मान्यता कभी कालसी हरिपुर को भी प्राप्त थी। इसे यज्ञों की भूमि भी कहा जाता है।

हरिपुर की पवित्रता एवं महत्व को देखते हुए विश्व विजयी राजाओं ने यहां अश्वमेध यज्ञ भी संपन्न किये। इसका उल्लेख भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने प्रमाण सहित प्रस्तुत किया है जगत ग्राम बाढ़वाला में गरुड़ आकार की तीन अश्वमेध यज्ञ वेदिका प्राप्त हुई हैं। अंबाडी गांव में भी एक अश्वमेध यज्ञ की इतिहासकारों में चर्चा होती है जो कि शोध का विषय है।

ऋषि मुनियों ने सैकड़ों वर्ष तप करके इसे दिव्यभूमि बनाया है, जिसका वैभव प्राप्त करने के लिए मीलों की यात्रा करके भगवान के दर्शन करते हैं। देवभूमि उत्तराखंड में हवा में है गंगा-यमुना आरती की सुगंध और स्वयं शाम में शामिल है सारी शीतलता।

उत्तराखंड के देहरादून जिला मुख्यालय से करीब 50 किमी दूर उत्तर भारत का जौनसार-बावर का प्रवेश द्वार कालसी-हरिपुर का युगों-युगों से वैभवशाली इतिहास रहा है, जो अपने धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को उजागर करता है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण कालसी हरिपुर से जीवनदायिनी मां यमुना (जमुना) नदी का अपने निर्मल जल के साथ कल-कल प्रवाह करना है। इसके अलावा कालसी हरिपुर से यमुना के साथ अन्य सहायक नदियों का संगम भी इसे वैभवशाली बनाता है।

कालसी हरिपुर उत्तर भारत का पहला स्थान है, जहां चार नदियों यमुना, टौंस (तमसा), अमलावा और नौरा (अगलाड़) नदी का संगम स्थल है। कई वर्षों पहले हरिपुर, हरिद्वार के बाद ऐसा स्थान था, जिसकी मान्यता पूरे हिमालय में थी, लेकिन सातवीं शताब्दी के आखिरी में हरिपुर में आई भीषण बाढ़ से पूरा जौनसार बावर (यमुना नदी का मार्ग) का मार्ग पूरी तरह समाप्त हो गया। तब से हरिपुर अपनी ख्याति को प्राप्त करने के लिए जद्दोजहद कर रहा है। जौनसार बावर की संस्कृति भी उतनी ही पुरानी मानी जाती है, जितना पुराना यमुना नदी का धरती पर अवतरित होना है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने 2024 में कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर राज्य के पहले विशाल यमुना घाट का

शिलान्यास किया था, जिसका कार्य तीव्र गति से चल रहा है और जुलाई तक पूर्ण होने की संभावना है। मुख्यमंत्री श्री धामी स्वयं इस कार्य को बड़ी गंभीरता से देख रहे हैं। जमुना जी का उद्गमस्थल यमुनोत्री है, लेकिन इस राज्य में जमुना जी पर कोई ऐसा घाट नहीं था जहां लोग स्नान कर सके। जिसका मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने संज्ञान लिया और इसे अपनी घोषणा में शामिल किया। हरिपुर में करीब एक किलोमीटर लंबे इस घाट को उत्तराखंड में जमुना का पहला घाट का दर्जा प्राप्त होगा, जहां हजारों तीर्थयात्रियों को जमुना में स्नान करने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

ऐतिहासिक पुस्तकों में ऐसा दर्ज है कि हरिपुर जमुना घाट कभी बहुत बड़ा तीर्थ स्थल हुआ करता था जो कभी प्रलयकारी

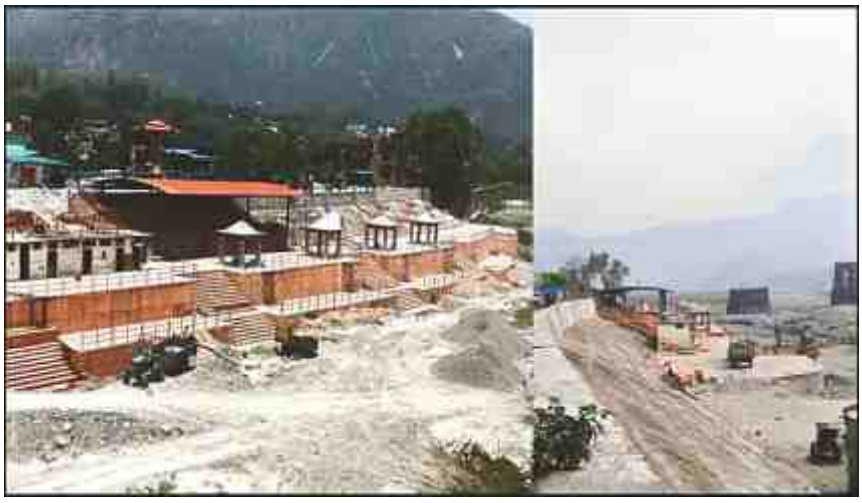

बाढ़ में बह गया। इस तीर्थ स्थल को पुनः स्थापित किए जाने का संकल्प मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने लिया और यहां भव्य घाट बनाने के लिए शिलान्यास श्रद्धालुओं की आस्था को पुनर्स्थापित करने का संकल्प लिया।

हरिपुर-कालसी ऐसे धार्मिक स्थल है, जिनका संबंध कृष्ण कालखंड के साथ-साथ सम्राट अशोक द्वारा स्थापित शिलालेख के साथ-साथ दशम सिख गुरु गोबिंद सिंह के बाल्यकाल के युद्ध प्रशिक्षण से भी रहा है। जमुना किनारा यहां सदियों पुराने अश्वमेघ यज्ञ स्थल भीं एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की देखरेख में है। हरीपुर के जमुना घाट पर जमुना जी की विशाल और भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। यह संपूर्ण क्षेत्र आने वाले समय में आस्था, इतिहास और पर्यटन का एक अद्भुत संगम बनकर उभरेगा। ऐतिहासिक और पौराणिक कथाओं के अनुसार, हरिपुर का यमुना तट एक अत्यंत समृद्ध और प्रमुख धार्मिक तीर्थ स्थल था। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने इस पुराने ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल का पुनर्निर्माण करने का बीड़ा उठाया जिस पर तीव्र गति से कार्य गतिमान है।

हरिपुर में यमुना घाट के शिलान्यास के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार हरिपुर यमुना घाट को देश के एक प्रमुख धार्मिक धाम के रूप में विकसित करने के लिए पूरी तरह से वचनबद्ध है। यह परियोजना न केवल जौनसार बावर क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण और मां यमुना में अखंड आस्था रखने वाले विश्व भर के लाखों भक्तों के लिए भी एक बड़ी श्रद्धा का केंद्र बनेगा। घाट परिसर में श्रद्धालुओं के लिए बैठने की व्यवस्था, चौड़े घाट, सीढ़ियां और अन्य सुविधाएं विकसित की जा रही हैं साथ ही पूरे क्षेत्र का सौंदर्याकरण भी किया जा रहा है। यमुना तट पर करीब एक किलोमीटर लंबा बहुउद्देशीय घाट तैयार किया जा रहा है। इस परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को नए पंख और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। **●प्रस्तुतिः देवकमल**

गंगोत्री से गंगासागर तक वैचारिक धारा की स्थापना

अजेय जी

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी ने अंततः वह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है, जिसका सपना पार्टी दशकों से देखती रही थी। 2026 के विधानसभा चुनाव परिणामों ने राज्य की राजनीति की दिशा बदल दी। 294 सीटों वाली विधानसभा में भाजपा ने 208 सीटों पर विजय प्राप्त कर मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के लंबे राजनीतिक वर्चस्व को समाप्त कर दिया। यह जीत किसी क्षणिक लहर या केवल सत्ता विरोधी भावना का परिणाम नहीं थी, बल्कि सुनियोजित रणनीति, संगठनात्मक मजबूती और वैचारिक संघर्ष का प्रतिफल थी, जिसने बंगाल की पारंपरिक चुनावी राजनीति को पूरी तरह बदल दिया।

यह जनादेश केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राष्ट्रवादी विचारधारा की ऐतिहासिक विजय है। श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जिस विचार के साथ जनसंघ की स्थापना की थी और पश्चिम बंगाल को भारत की अखंडता से जोड़ने के लिए जो संघर्ष किया था, उसकी प्रतिध्वनि इस विजय में स्पष्ट दिखाई दे रही है। उन्होंने एक सशक्त, समृद्ध और आत्मविश्वासी बंगाल का सपना देखा था। दशकों बाद बंगाल की जनता ने भाजपा को वह अवसर दिया है कि वह उस स्वप्न को साकार कर सके। 4 मई 2026 को पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई, जहां भय, हिंसा और राजनीतिक प्रतिशोध की राजनीति से निकलकर विकास, विश्वास और सुशासन की दिशा में आगे बढ़ने का जनादेश सामने आया।

यह विजय केवल सीटों की संख्या भर नहीं है, बल्कि उन लाखों भाजपा कार्यकर्ताओं के संघर्ष, समर्पण और बलिदान की जीत है जिन्होंने वर्षों तक राजनीतिक हिंसा और उत्पीड़न सहने के बावजूद संगठन का झंडा झुकने नहीं दिया। विशेष रूप से महिला कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों ने जिस साहस और धैर्य के साथ संघर्ष किया, वह लोकतांत्रिक राजनीति के इतिहास में उल्लेखनीय है। बंगाल और केरल जैसे राज्यों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिस प्रकार की हिंसा और प्रताड़ना झेली, उसने इस जीत को और अधिक भावनात्मक तथा ऐतिहासिक बना दिया।

इस चुनाव में मुकाबला केवल दो दलों के बीच नहीं था, बल्कि 'बदला' और 'बदलाव' की राजनीति के बीच था। इस बार बंगाल चुनाव में कई ऐसी घटनाएं पहली बार हुईं, जिनका असर सीधे परिणामों में दिखाई दिया। लगभग पच्चीस वर्षों में पहली बार चुनाव केवल दो चरणों में संपन्न कराए गए। इससे पहले यहां छह से आठ चरणों में मतदान होता रहा था। भारी संख्या में केंद्रीय बलों की तैनाती और मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण ने राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह रहा कि बंगाल में दशकों बाद चुनावी हिंसा लगभग नगण्य रही। पहले चुनावों के दौरान और उसके बाद बड़े पैमाने पर हिंसा, हत्याएं और राजनीतिक प्रतिशोध आम बात थी, लेकिन इस बार मतदाताओं ने अपेक्षाकृत भयमुक्त वातावरण में मतदान किया।

रिकॉर्ड मतदान प्रतिशत ने पहले ही संकेत दे दिए थे कि राज्य में बड़ा राजनीतिक परिवर्तन संभव है। चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण ने सबसे अधिक चर्चा बटोरी और पारंपरिक चुनावी मुद्दों को पीछे छोड़ दिया। परिणामों से स्पष्ट हुआ कि भाजपा ने न केवल हिंदू मतदाताओं को एकजुट किया, बल्कि मुस्लिम और महिला वोट भी हासिल किया। शहरी क्षेत्रों में धार्मिक ध्रुवीकरण के साथ-साथ सरकार के खिलाफ एंटी-इनकंबेंसी भी स्पष्ट दिखाई दी। पहली बार मतदान करने वाले युवाओं ने भी सरकार के कामकाज के खिलाफ मतदान किया, जिसका प्रभाव कोलकाता और आसपास के शहरी क्षेत्रों में भाजपा के बढ़ते प्रदर्शन के रूप में सामने आया। पश्चिम बंगाल भाजपा के लिए केवल एक और राज्य नहीं था। यह जनसंघ के प्रथम अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि होने के कारण पार्टी की वैचारिक चेतना का केंद्र रहा है। उनकी 125वीं जयंती के अवसर पर मिली यह जीत भाजपा के लिए विशेष महत्व रखती है। इस चुनाव ने पार्टी के सामने 'करो या मरो' जैसी स्थिति पैदा कर दी थी। पिछली चुनावी गलतियों से सबक लेते हुए भाजपा ने इस बार संगठन, संसाधन और रणनीति–तीनों स्तरों पर अभूतपूर्व तैयारी की।

भौगोलिक और सामरिक दृष्टि से भी पश्चिम बंगाल की अहमियत अत्यंत महत्वपूर्ण है। सिलीगुड़ी का चिकन नेक कॉरिडोर उत्तर-पूर्व भारत को शेष देश से जोड़ता है। राज्य की

सीमाएं बांग्लादेश, नेपाल और भूटान से मिलती हैं, जबकि चीनी सीमा भी अधिक दूर नहीं है। ऐसे में भाजपा का सत्ता में आना केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस की कुछ राजनीतिक गलतियों ने भी उसकी हार को गहरा किया। चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी के कई नेताओं द्वारा '4 मई के बाद सबको देख लेने' जैसी चेतावनियों ने आम मतदाताओं में भय का वातावरण पैदा किया। स्वयं सुश्री ममता बनर्जी ने भी कई मंचों से इस प्रकार के संकेत दिए। इसका परिणाम यह हुआ कि बड़ी संख्या में मतदाताओं ने खुलकर परिवर्तन के पक्ष में मतदान किया।

भाजपा की सफलता का एक बड़ा आधार उन समुदायों तक पहुंच बनाना था, जो लंबे समय से स्वयं को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस कर रहे थे। उत्तर बंगाल के कूच बिहार, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, दार्जिलिंग, कालीम्पोंग और दिनाजपुर क्षेत्रों में पार्टी ने राजबंशी और कुर्मी समुदायों के बीच उनकी भाषा, संस्कृति और पहचान को सम्मान देने का भरोसा दिलाकर मजबूत समर्थन अर्जित किया। पहचान की राजनीति के साथ-साथ भाजपा ने आर्थिक मुद्दों को भी प्रमुखता दी। किसानों को फसलों का बेहतर मूल्य, सरकारी कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ और चाय बागान क्षेत्रों में बेहतर रोजगार एवं कामकाजी परिस्थितियों के वादों ने जनता को प्रभावित किया।

दार्जिलिंग, अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी के चाय बागान क्षेत्रों में भाजपा ने विशेष रूप से महिला मतदाताओं के बीच उल्लेखनीय बढ़त बनाई। कई महिलाओं ने प्रत्यक्ष लाभ योजनाओं से आगे बढ़कर दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता और रोजगार सुरक्षा के मुद्दों को प्राथमिकता दी। उत्तर बंगाल, जिसे पहले से भाजपा का मजबूत क्षेत्र माना जाता था, इस चुनाव में पार्टी का सबसे बड़ा गढ़ बनकर उभरा। कई जिलों में तृणमूल कांग्रेस एक भी सीट जीतने में सफल नहीं हो सकी। भाजपा ने इस बार कोलकाता जैसे शहरी क्षेत्रों में अपनी छवि बदलने के लिए भी गंभीर प्रयास किए। 'बाहरी पार्टी' की धारणा को तोड़ने के लिए स्थानीय नेताओं और उम्मीदवारों ने बंगाली भाषा और संस्कृति को अधिक आत्मसात किया।

मुर्शिदाबाद और मालदा जैसे जिलों में चुनाव प्रचार के संदेशों में स्थानीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया। जिनमें कानून व्यवस्था और मानव तस्करी जैसे मुद्दे शामिल थे। ये मुद्दे मतदाताओं को पसंद आए, क्योंकि उनका मानना था कि टीएमसी के 15 साल के शासनकाल में शासन संबंधी चुनौतियों का पर्याप्त समाधान नहीं हुआ था। दलित और राजबंशी वोटों का पूर्ण समर्थन हासिल करते हुए भाजपा ने मालदा सीट 50,000 से ज्यादा वोटों से जीत ली।

इस चुनावी अभियान के पीछे एक अत्यंत संगठित और अनुशासित नेतृत्व तंत्र काम कर रहा था। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने लंबे समय तक बंगाल में रहकर रणनीति और संगठन पर लगातार निगरानी रखी। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व और राज्य इकाई के बीच समन्वय की जिम्मेदारी संभाली। वहीं संगठनात्मक स्तर पर शीर्ष नेतृत्व ने बूथ प्रबंधन से लेकर चुनावी संरचना तक की जिम्मेदारी बारीकी से निभाई। इस बार पार्टी की रणनीति बड़े भाषणों के बजाय सूक्ष्म संगठनात्मक आंकड़ों और बूथ स्तर की तैयारी पर आधारित थी और इसी आधार पर बंगाल में भी बूथ समितियों को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया। राज्य के 80 हजार से अधिक मतदान केंद्रों में से अधिकांश पर कार्यात्मक समितियों का गठन भाजपा की सबसे बड़ी संगठनात्मक उपलब्धियों में से एक रहा।

इस बार पार्टी ने विशेष रूप से चुनावी रणनीति में स्थानीय भाषा और संस्कृति को ज्यादा महत्व दिया। बंगाल के समीपवर्ती राज्य विशेषकर त्रिपुरा के भाजपा कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर बंगाली भाषा में प्रभावी संवाद कर बड़ी भूमिका निभाई। प्रदेश अध्यक्ष श्री सामिक भट्टाचार्य के नेतृत्व में बूथ स्तर तक मजबूत नेटवर्क तैयार किया गया, जिसने मतदाताओं के साथ लगातार संपर्क बनाए रखा।

भाजपा की रणनीति केवल भावनात्मक मुद्दों तक सीमित नहीं रही, बल्कि विस्तृत डेटा विश्लेषण और क्षेत्रवार चुनावी प्रबंधन पर भी आधारित थी। अभियान प्रबंधकों ने बड़े निर्वाचन क्षेत्रों के नक्शों और सूचनाओं के आधार पर जिम्मेदारियां तय कीं, जिससे दूरदराज के क्षेत्रों तक भी प्रभावी पहुंच बनाई जा सकी। भाजपा के लिए यह विजय केवल एक राज्य की सत्ता हासिल करने भर की नहीं है बल्कि इसके दूरगामी राजनीतिक और वैचारिक प्रभाव होंगे।

ओडिशा के बाद पूर्वी भारत में एक और मजबूत क्षेत्रीय राजनीतिक किले का ढहना राष्ट्रीय राजनीति की दिशा बदलने वाला माना जा रहा है। इसका असर 2029 के लोकसभा चुनावों तक स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। आज भाजपा उत्तराखंड के गंगोत्री से लेकर पश्चिम बंगाल के गंगासागर तक राजनीतिक रूप से एक निरंतर वैचारिक धारा स्थापित करने में सफल हुई है। यह केवल राजनीतिक विस्तार नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद, सुशासन और विकास आधारित राजनीति में जनता के विश्वास का प्रतीक है। यह ऐतिहासिक सफलता प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी एवं प्रेरणादायी नेतृत्व, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन के सशक्त संगठनात्मक मार्गदर्शन तथा गृहमंत्री श्री अमित शाह के कुशल चुनावी प्रबंधन का परिणाम है। पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं पश्चिम बंगाल की जनता को इस गौरवपूर्ण विजय पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

●लेखक भाजपा उत्तराखंड के प्रदेश महामंत्री (संगठन) हैं।

धर्म बदला तो बदलेगा अधिकारः पुष्कर सिंह धामी

उत्तराखंड के गदरपुर में धर्म परिवर्तन पर एससी प्रमाण पत्र निरस्तीकरण की कार्यवाही

भारत जैसे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध राष्ट्र के सामने आज धर्मांतरण एक गंभीर सामाजिक और राष्ट्रीय चुनौती बनकर उभर रहा है। जब धर्म परिवर्तन स्वेच्छा और व्यक्तिगत आस्था की सीमा से निकलकर लालच, भय, धोखाधड़ी, आर्थिक प्रलोभन, विवाह, विदेशी फंडिंग और संगठित नेटवर्क के माध्यम से संचालित होने लगे, तब यह केवल धार्मिक विषय नहीं रह जाता, बल्कि राष्ट्र की सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक अस्मिता पर सीधा प्रहार बन जाता है। देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जहां गरीब, दलित, आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाकर उनका धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। कई जांचों और प्रशासनिक कार्रवाइयों में यह संकेत भी मिले हैं कि कुछ विधर्मी तत्व योजनाबद्ध रणनीति के तहत समाज में वैचारिक विभाजन और सांस्कृतिक असंतुलन पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। यही कारण है कि अब राज्य सरकारें धर्मांतरण को आपराधिक षड्यंत्र और सामाजिक अस्थिरता से जुड़े मुद्दे के रूप में देखने लगी हैं। उत्तराखंड के ऊधमसिंहनगर में सामने आया हालिया मामला भी इसी गहरी चिंता को उजागर करता है, जहां धर्म परिवर्तन के बाद आरक्षण और सरकारी लाभ लेने के आरोपों पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू की है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने इस प्रकरण पर कड़ा रुख अपनाते हुए प्रशासन को कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

उत्तराखंड के ऊधमसिंहनगर जनपद से सामने आया प्रकरण केवल एक व्यक्ति के अनुसूचित जाति (एससी) प्रमाण पत्र को निरस्त करने की प्रशासनिक कार्रवाई भर नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक बहस का हिस्सा बन चुका है जिसमें धर्मांतरण, आरक्षण व्यवस्था और संवैधानिक अधिकारों के बीच संतुलन तलाशने की कोशिश है। गदरपुर और रुद्रपुर क्षेत्र में प्रशासन द्वारा धर्म परिवर्तन कर चुके लोगों के एससी प्रमाण पत्र निरस्त की कार्यवाही शुरू कर दी है। यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि इसमें पहली बार सोशल मीडिया पोस्ट को भी प्रशासनिक जांच का आधार बनाया गया है। सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसलों और

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950 के प्रावधानों को आधार बनाकर कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है। इससे यह स्पष्ट संकेत मिल रहा है कि राज्य सरकार और प्रशासन अब धर्म परिवर्तन छिपाकर आरक्षण और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाले मामलों पर कड़ी निगरानी रखने के मूड में हैं।

गदरपुर तहसील क्षेत्र में यह मामला तब सामने आया जब स्थानीय निवासी अरविंद सैनी ने प्रशासन को शिकायत देकर आरोप लगाया कि गांव में अवैध रूप से चर्च संचालित किया जा रहा है और लोगों का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। शिकायत के बाद प्रशासन ने राजस्व विभाग और स्थानीय अधिकारियों की संयुक्त जांच कराई। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि संबंधित व्यक्ति, जिसे वर्ष 2019 में अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र जारी किया गया था, वह ईसाई धर्म अपना चुका है। प्रशासन ने उसकी सोशल मीडिया गतिविधियों को भी जांच का हिस्सा बनाया। फेसबुक पोस्ट और सार्वजनिक बयानों में धर्म परिवर्तन स्वीकार करने जैसे तथ्यों को अधिकारियों ने महत्वपूर्ण साक्ष्य माना। उप जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से संबंधित एससी प्रमाण पत्र को निरस्त करने की संस्तुति जिला स्तरीय स्क्रूटनी समिति को भेज दी गई। यह कार्रवाई केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस संवेदनशील प्रश्न को सामने लाती है कि क्या धर्म परिवर्तन के बाद भी अनुसूचित जाति के संवैधानिक लाभ जारी रह सकते हैं?

भारत में अनुसूचित जातियों को मिलने वाला आरक्षण केवल आर्थिक पिछड़ेपन के आधार पर नहीं, बल्कि ऐतिहासिक सामाजिक भेदभाव और अस्पृश्यता की पृष्ठभूमि में दिया गया है। संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950 के अनुसार अनुसूचित जाति का दर्जा मूलतः हिंदू समुदाय के लिए निर्धारित किया गया था। बाद में इसमें सिख और बौद्ध धर्म को भी शामिल किया गया, लेकिन यदि कोई व्यक्ति ईसाई या इस्लाम धर्म अपनाता है, तो सामान्यतः उसका अनुसूचित जाति दर्जा समाप्त माना जाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी कई मामलों में स्पष्ट किया है कि धर्म परिवर्तन के बाद एससी, एसटी आरक्षण का लाभ नहीं लिया जा सकता।

इस मामले में यही कानूनी आधार अब उत्तराखंड प्रशासन की कार्रवाई का केंद्र बना हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन के बाद भी स्वयं को अनुसूचित जाति बताकर सरकारी लाभ लेता है, तो यह नियमों के विरुद्ध माना जाएगा। गदरपुर मामले में संबंधित व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से ईसाई धर्म अपनाने से जुड़ी पोस्ट प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण आधार बनी। इससे यह संकेत भी मिलता है कि आने वाले समय में डिजिटल गतिविधियां सरकारी जांच में और अधिक अहम भूमिका निभा सकती हैं।

उत्तराखंड पहले ही देश के उन राज्यों में शामिल है जहां धर्मांतरण विरोधी कानून सबसे कठोर माने जाते हैं। राज्य में लागू 'उत्तराखंड धर्म स्वतंत्रता अधिनियम' जबरन, लालच, धोखाधड़ी, अनुचित प्रभाव या विवाह के माध्यम से धर्म परिवर्तन पर रोक लगाता है। इस कानून के तहत यदि कोई व्यक्ति प्रलोभन या धोखे से धर्म परिवर्तन करवाता हुआ पाया जाता है, तो उसे कठोर कारावास और भारी जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। सामूहिक धर्मांतरण के मामलों में सजा और भी अधिक कठोर है। हाल ही में राज्य सरकार ने कानून को और सख्त बनाते हुए संशोधन विधेयक भी पारित किया है। इसमें महिलाओं, नाबालिगों और कमजोर वर्गों को निशाना बनाकर किए गए धर्मांतरण के मामलों में आजीवन कारावास तक का प्रावधान किया गया है।

ऊधमसिंहनगर की यह कार्रवाई केवल एक जिले तक सीमित नहीं मानी जा रही। सरकार और प्रशासन ने यह स्पष्ट किया है कि आरक्षण व्यवस्था का लाभ केवल उन्हीं लोगों को मिलेगा जो संवैधानिक पात्रता की शर्तों को पूरा करते हों। यह मामला उन लोगों के लिए भी चेतावनी है जो कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों या गलत जानकारी के आधार पर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की कोशिश करते हैं।

धर्मांतरण का मुद्दा उत्तराखंड सहित पूरे देश में लंबे समय से राजनीतिक और सामाजिक बहस का केंद्र रहा है। विशेषकर पर्वतीय और सीमांत क्षेत्रों में इसे सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक संतुलन से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में ऊधमसिंहनगर की कार्रवाई का असर केवल कानूनी दायरे तक सीमित नहीं रहेगा। यह आने वाले समय में राज्य की राजनीति, सामाजिक विमर्श और प्रशासनिक नीतियों को भी प्रभावित कर सकता है।

भाजपा सरकार पहले से ही 'सांस्कृतिक संरक्षण' और 'जनसंख्या संतुलन' जैसे मुद्दों को प्रमुखता देती रही है। ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई उसके राजनीतिक संदेश को और मजबूत करती है। वहीं विपक्ष और मानवाधिकार संगठनों की नजर भी अब इन कार्रवाइयों पर बनी रहेगी कि कहीं कानून का उपयोग व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रभावित करने के लिए तो नहीं किया जा रहा। ऊधमसिंहनगर में धर्म परिवर्तन के बाद एससी प्रमाण पत्र निरस्त करने की कार्रवाई ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उत्तराखंड सरकार अब धर्मांतरण और आरक्षण से जुड़े मामलों में बेहद गंभीर रुख अपनाए हुए है। संविधान, सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और राज्य के सख्त कानूनों के आधार पर हो रही यह कार्रवाई आने वाले समय में कई और मामलों की जांच की राह आसान कर सकती है।

●प्रस्तुतिः देवकमल

ईमानदार राजनीति का वह 'जनरल' अब स्मृतियों में अमर रहेगा

उत्तराखंड के चौथे मुख्यमंत्री रहे मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवनचंद्र खंडूड़ी का 19 मई 2026 को निधन हो गया है। उनके निधन से प्रदेशभर में शोक की लहर है। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। 91 वर्ष की आयु में श्री खंडूड़ी जी ने अस्पताल में अंतिम सांस ली। उत्तराखंड की राजनीति में सादगी, ईमानदारी और कठोर प्रशासनिक अनुशासन का पर्याय रहे पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चंद्र खंडूड़ी का निधन केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन की एक ऐसी आदर्श परंपरा का विराम है। उनका व्यक्तित्व जितना दृढ़ और अनुशासित था, उतना ही संवेदनशील और जनसरोकारों के प्रति समर्पित भी। सेना की पृष्ठभूमि से आने वाले खंडूड़ी जी ने अपने प्रशासनिक जीवन में पारदर्शिता, शुचिता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उत्तराखंड जैसे नवोदित राज्य को उन्होंने केवल विकास की दृष्टि नहीं दी, बल्कि सुशासन की ऐसी कार्यशैली दी, जिसे आज भी आदर्श माना जाता है। भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर रुख, निर्णय लेने की स्पष्टता और जनहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से ही अन्य नेताओं से अलग उनकी एक विशिष्ट पहचान रही है। उनके निधन से उत्तराखंड ही नहीं, पूरे देश ने एक ईमानदार प्रशासक, दूरदर्शी नेता और नैतिक राजनीति के मजबूत स्तंभ को खो दिया है। उनके आदर्श, उनकी प्रशासनिक शैली और सार्वजनिक जीवन की मर्यादाएं आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का कार्य करती रहेंगी।

वर्ष 2007-2009 और 2011-2012 तक श्री खंडूड़ी दो बार उत्तराखंड के मुख्यमंत्री रहे। श्री भुवन चंद्र खंडूड़ी कार्यकर्ताओं के अत्यधिक प्रिय और सम्मानित नेता थे। उनकी सादगी, प्रशासनिक अनुशासन, ईमानदारी और पारदर्शी कार्यशैली के कारण उन्हें 'मिस्टर क्लीन और 'जनरल साहब' के रूप में जाना जाता था। राजनीति में उन्हें एक ईमानदार, पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त राजनेता माना जाता था। सादगी और कठोर अनुशासन उनके जीवन के मूल मंत्र थे। उनका कठोर अनुशासन, स्पष्टवादिता और भ्रष्टाचार मुक्त छवि कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत थी।

श्री भुवनचंद्र खंडूड़ी का जन्म एक अक्टूबर 1934 को देहरादून में हुआ था। उन्होंने इलाहाबाद विवि , कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग (पुणे), इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (दिल्ली) और इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट (सिकंदराबाद) से शिक्षा ग्रहण की। छात्र जीवन में वे भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भी हिस्सा लेते रहे। सन् 1954 से 1990 तक यानी पूरे 36 साल उन्होंने भारतीय सेना के कोर ऑफ इंजीनियर्स में सेवा दी। इस लंबी सेवा के दौरान वे रेजीमेंट के कमांडर रहे। उन्होंने 1962, 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों में हिस्सा लिया, सेना में चीफ इंजीनियर का पद संभाला और आर्मी हेडक्वार्टर में एडिशनल मिलिट्री सेक्रेटरी भी रहे। 1982 में राष्ट्रपति द्वारा उन्हें उनकी असाधारण सेवाओं के लिए 'अति विशिष्ट सेवा मेडल' से सम्मानित किया गया।

भुवनचंद्र खंडूड़ी पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के भरोसेमंद नेताओं में से एक थे। पहली बार लोकसभा पहुंचने के दो वर्ष में ही श्री खंडूड़ी को पार्टी का मुख्य सचेतक बना दिया गया था। वर्ष 1999 में श्री अटल बिहारी सरकार में उन्हें सड़क परिवहन मंत्री बनाया गया और इस पद पर रहते हुए उनके द्वारा सड़कों, हाईवे के लिए किए गए काम को आज भी याद किया जाता है। श्री खंडूड़ी का सबसे महत्वपूर्ण सरकारी योगदान श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री के रूप में बहुचर्चित स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना का सफल क्रियान्वयन था। इस परियोजना (स्वर्णिम चतुर्भुज) भारत का सबसे बड़ा और दुनिया का पांचवां सबसे लंबा हाईवे नेटवर्क है। इसकी कुल लंबाई लगभग 5,846 किलोमीटर है, जो भारत के चार प्रमुख महानगरों–दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को आपस में जोड़ती है।

इस परियोजना ने भारत के बुनियादी ढांचे, रसद और आर्थिक विकास को उस समय बढ़ावा दिया जब देश एक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में अपने पंख फैला रहा था।

उत्तराखंड भाजपा परिवार ने अपने जनरल को पार्टी प्रदेश मुख्यालय से भावभीनी माहौल में अंतिम विदाई दी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, सांसद श्री अजय भट्ट, एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय जी, कैबिनेट मंत्री , प्रदेश पदाधिकारी समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने उनके पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी मुख्यालय में उन्हें सुबह से ही श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यकर्ताओं एवं

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) बी. सी. खंडूरी जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। भारतीय सेना में उत्कृष्ट सेवा देने के बाद उन्होंने जनसेवा के लिए ईमानदारी, सादगी, पारदर्शिता और विकास की राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत किया। देश तथा उत्तराखंड के विकास, सुशासन और जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सदैव स्मरणीय रहेगी। मैं उनके शोक संतप्त परिवारजनों और शुभचिंतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करती हूं।

-द्रौपदी मुर्मु, राष्ट्रपति

पूर्व केंद्रीय मंत्री और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल बी.सी. खंडूरी (सेवानिवृत्त) के निधन से मैं अत्यंत दुखी हूं। उनके निधन से देश ने एक विशिष्ट सैनिक, एक कुशल प्रशासक और राजनेता को खो दिया है। स्वर्ण चतुर्भुज और राष्ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रम के माध्यम से भारत के सड़क अवसंरचना को रूपांतरित करने में उनका दूरदर्शी योगदान देश की विकास यात्रा में एक मील का पत्थर बना रहेगा। दु:ख की इस घड़ी में, मैं उनके परिवार, उनके अनगिनत प्रशंसकों और उत्तराखंड के लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

-सीपी राधाकृष्णन, उप राष्ट्रपति

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खण्डूडी (सेवानिवृत्त) जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। सशस्त्र बलों से लेकर राजनीतिक जगत में उन्होंने बहुमूल्य योगदान दिया, जिसके लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा। उत्तराखंड के विकास के लिए वे हमेशा समर्पित रहे, जो मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में भी साफ तौर पर दिखा। केंद्रीय मंत्री के रूप में भी उनका कार्यकाल हर किसी को प्रेरित करने वाला है। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों और समर्थकों के साथ हैं। ओम शांति!

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता भुवन चंद्र खंडूरी जी का निधन उत्तराखंड एवं भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। तीन दशकों से अधिक समय तक सेना में अपनी सेवाएँ देने वाले बी. सी. खंडूरी जी आजीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित रहे। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार एवं समर्थकों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति शांति शांति

अमित शाह, गृहमंत्री, भारत सरकार

उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ राजनेता मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी (सेवानिवृत्त) के निधन पर पूरा प्रदेश शोक में है। खंडूड़ी जी ने भारतीय सेना में रहते हुए राष्ट्र सेवा, अनुशासन एवं समर्पण का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रदेशहित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लेकर विकास को नई दिशा प्रदान की। खंडूड़ी जी की सादगी, स्पष्टवादिता एवं कार्यकुशलता सदैव प्रेरणास्रोत रहेगी। उनका निधन उत्तराखण्ड ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी अपूरणीय क्षति है। ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिजनों एवं समर्थकों को यह असीम दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

-पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री उत्तराखंड

प्रशासकों का तांता लगा रहा। इस दौरान खंडूड़ी जी के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र, फूलमाला एवं पुष्पों से श्रद्धा सुमन अर्पित किए। साथ ही खंडूड़ी की सुपुत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूड़ी, पुत्र श्री मनीष खंडूड़ी अन्य शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर सभी ने अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान सभी लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए नम आंखों से प्रार्थना की। प्रदेश सरकार के मंत्री, विधायक, पूर्व सैनिक, भाजपा पदाधिकारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम लोग अपने प्रिय नेता को अंतिम नमन करने पहुंचे। इस दौरान पूरे कार्यालय परिसर में अपने वरिष्ठतम नेता के गम में शोक और संवेदना का वातावरण बना रहा। कार्यालय पहुंचने से पूर्व उनके पार्थिव शरीर को रास्ते में विभिन्न स्थानों पर लोगों ने पुष्पवर्षा कर अपने प्रिय नेता को अंतिम

विदाई दी। भाजपा मुख्यालय में अपने जनरल को अंतिम विदाई देने सांसद श्री अजय भट्ट, कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, श्री खजान दास, श्री भरत चौधरी, प्रदेश महामंत्री श्री कुंदन परिहार, श्रीमती दीप्ति रावत, देहरादून महानगर महापौर श्री सौरभ थपलियाल, विधायक श्री अरविंद पांडेय, श्री मुन्ना सिंह चौहान, दायित्वधारी श्रीमती मधु भट्ट, श्रीमती विनोद उनियाल, प्रदेश कार्यालय सचिव श्री जगनमोहन रावत, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री मनवीर चौहान, प्रदेश आईटी संयोजक श्री प्रवीण लेखवार, प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक श्री हिमांशु संगतानी सहित पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता, विधायक, मंत्री और कार्यकर्ता श्रद्धांजलि देने के लिए उपस्थित थे। ।●प्रस्तुति: देवकमल

विधानसभा चुनाव परिणाम-2026

बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में भाजपा की भव्य जीत

ये नतीजे भारत के लोकतांत्रिक संस्थानों, संवैधानिक मूल्यों, परफॉरमेंस की राजनीति एवं स्थिरता में जन-विश्वास को और अधिक मजबूत करेंगे: प्रधानमंत्री

हाल ही में संपन्न हुए चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। पश्चिम बंगाल और असम में शानदार जीत के साथ-साथ पुडुचेरी और केरल में भी प्रभावशाली बढ़त हासिल करते हुए भाजपा एक मजबूत पार्टी के रूप में उभरी।

4 मई, 2026 को पश्चिम बंगाल और असम के विधानसभा चुनावों में भाजपा की अभूतपूर्व सफलता का श्रेय मतदाताओं की सोच में आए एक निर्णायक बदलाव को जाता है; जो बंगाल में लगभग आठ प्रतिशत और असम में पांच प्रतिशत की असाधारण वृद्धि से स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। इस निर्णायक बदलाव ने भाजपा को दोनों राज्यों में पूर्ण बहुमत प्राप्त करने में सक्षम बनाया, जिससे पार्टी के लिए पूर्वी क्षेत्र में अपने दम पर सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त हुआ। जहां एक ओर पश्चिम बंगाल इतिहास में पहली बार भाजपा सरकार के उदय का साक्षी बनने जा रहा है, वहीं दूसरी ओर असम ने ऐतिहासिक 'हैट्रिक' जीत दिलाकर एनडीए में अपना विश्वास पुनः व्यक्त किया है।

इन चुनावी परिणामों ने न केवल भाजपा की राष्ट्रीय उपस्थिति को सुदृढ़ किया है, बल्कि उन क्षेत्रों के राजनीतिक परिदृश्य में आए एक गहरे बदलाव को भी दर्शाया है, जिन्हें कभी पार्टी के लिए चुनावी रूप से एक दुर्गम और कठिन क्षेत्र माना जाता था। कोलकाता की सड़कों से लेकर असम के विशाल चाय-बागानों तक और पुडुचेरी, केरल तथा तमिलनाडु के तटीय चुनावी रणक्षेत्रों तक— माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा का चुनावी अभियान एक करिश्माई नेतृत्व, अथक जमीनी प्रयास, अनुशासित संगठन और विकास, राष्ट्रवाद, सुशासन तथा जन-कल्याणकारी राजनीति पर आधारित था और यही भाजपा की शानदार जीत का मूल मंत्र भी रहा।

श्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता, निर्णायक नेतृत्व और अद्वितीय जन-आकर्षण ने इन चुनावों को एक जन-आंदोलन में रूपांतरित कर दिया। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने अत्यधिक राजनीतिक दबाव और कड़े चुनावी संघर्ष के बावजूद असाधारण जुझारूपन, समर्पण और अडिग मनोबल का प्रदर्शन किया। असम में एनडीए द्वारा स्थिरता और विकास पर दिए गए विशेष बल ने जनता के विश्वास और शासन की निरंतरता को और अधिक सुदृढ़ किया। वहीं, पुडुचेरी में गठबंधन के घटकों के बीच समन्वय बिठाने की रणनीति ने एनडीए के राजनीतिक प्रभाव को कई गुना बढ़ा दिया। इस बीच, केरल में भाजपा ने अपनी सांगठनिक शक्ति और चुनावी पहुंच का विस्तार किया और वह राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक लगातार मजबूत होती शक्ति के रूप में उभरी।

विधानसभा चुनाव
परिणाम-2026

पश्चिम बंगाल में खिला कमल

भाजपा को मिला ऐतिहासिक जनादेश

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार बहुमत प्राप्त कर राज्य की राजनीति में एक युगांतकारी परिवर्तन किया। विकास, सुशासन और परिवर्तन के वादों पर भरोसा जताते हुए जनता ने भाजपा को विजयश्री दिलाई और तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के कुशासन को समाप्त कर दिया। भाजपा की यह ऐतिहासिक जीत न केवल पश्चिम

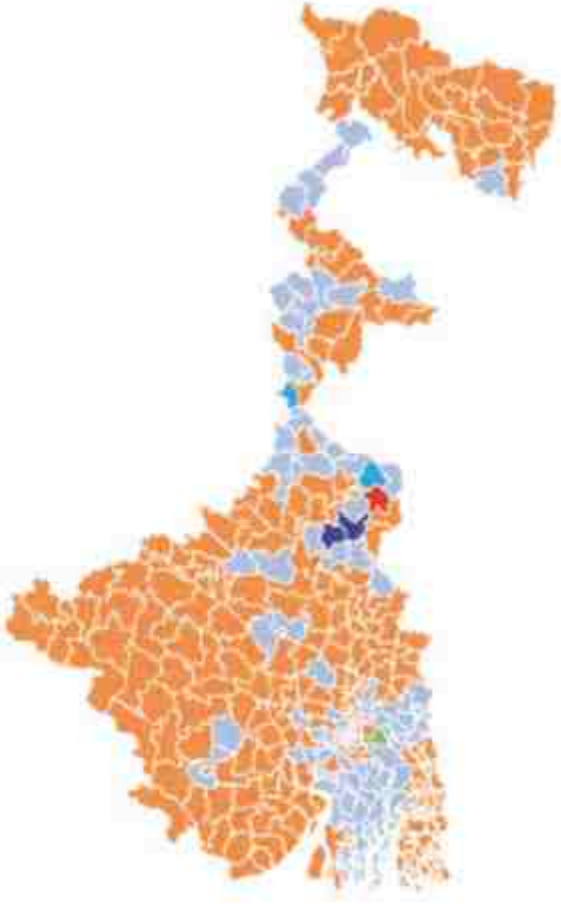

"पश्चिम बंगाल में कमल खिल उठा है!

वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अविस्मरणीय रहेंगे। जनशक्ति की जीत हुई है और भाजपा के सुशासन की राजनीति को यहां के लोगों का भरपूर आशीर्वाद मिला है। इस ऐतिहासिक विजय के लिए बंगाल के अपने भाई-बहनों का हृदय से आभारी हूं।

जनता-जनार्दन ने भाजपा को अभूतपूर्व जनादेश दिया है। मैं उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि हमारी पार्टी पश्चिम बंगाल के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। हमारी 'डबल इंजन' सरकार समाज के सभी वर्गों के लिए समान अवसर और सम्मान सुनिश्चित करेगी।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की यह रिकॉर्ड जीत हमारे कर्मठ कार्यकर्ताओं के दशकों के अथक प्रयास और संघर्षों का परिणाम है। मैं उन सभी को नमन करता हूं। उन्होंने जमीनी स्तर पर निरंतर कड़ी मेहनत की है और अनेक चुनौतियों का सामना किया है। उन्होंने हमारे विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाया है। वे हमारी पार्टी की असली ताकत हैं।"

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

पश्चिम बंगाल की देवतुल्य जनता को इस ऐतिहासिक जनादेश के लिए कोटि-कोटि धन्यवाद, आभार एवं अभिनंदन। चैतन्य महाप्रभु, स्वामी विवेकानंद और हमारे पथप्रदर्शक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसी महान विभूतियों की यह पावन धरा अब शांति, समृद्धि और सुशासन के एक नए युग की साक्षी बनेगी। यह विजय पश्चिम बंगाल की अस्मिता, संस्कृति और गौरव की पुनर्स्थापना का प्रतीक है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हम 'सोनार बांग्ला' के संकल्प को साकार करने और राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्णतः समर्पित हैं। आइए, हम सब मिलकर एक सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध बंगाल का निर्माण करें।

नितिन नवीन, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा

पश्चिम बंगाल की जनता ने भारतीय जनता पार्टी को एक ऐतिहासिक जनादेश दिया है, जिसके माध्यम से उन्होंने लंबे समय से प्रतीक्षित विकास, सुशासन और पारदर्शी राजनीति के प्रति अपने समर्थन को पुष्ट की है। उन्होंने शांति, समृद्धि और प्रगति के मार्ग को चुना है। इस अभूतपूर्व जनादेश के लिए मैं पश्चिम बंगाल की जनता के प्रति अपना हार्दिक आभार और बधाई व्यक्त करता हूं।

यह विजय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, उनकी जनकल्याणकारी नीतियों और राष्ट्रीय हित के प्रति उनके अटूट समर्पण में जनता के विश्वास का एक प्रमाण है। पश्चिम बंगाल में इस शानदार जीत को हासिल करने में सभी भाजपा कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों, त्याग, समर्पण और दृढ़ता ने एक निर्णायक भूमिका निभाई है। इस सफलता पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई। इस ऐतिहासिक जीत पर मैं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन और प्रदेश अध्यक्ष श्री दिलीप सैकिया को भी अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

यह जनादेश हमें राज्य के समग्र और समावेशी विकास के लिए और भी अधिक ऊर्जा तथा संकल्प के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। यह विजय केवल एक चुनावी परिणाम मात्र नहीं है, बल्कि राज्य के लिए एक स्वर्णिम भविष्य की शुरुआत है। मुझे विश्वास है कि भाजपा की 'डबल-इंजन' सरकार के साथ पश्चिम बंगाल अब विकास और प्रगति के एक नए युग की ओर अग्रसर होगा।

राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

बंगाल की जनता को कोटि-कोटि नमन।

यह प्रचंड जनादेश भय, तुष्टीकरण और घुसपैठियों के संरक्षकों को बंगाल की जनता का करारा जवाब है। यह टीएमसी के 'भय' के ऊपर श्री नरेन्द्र मोदी जी पर 'भरोसे' की जीत है। मेरे जैसे हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए यह गर्व का क्षण है कि गंगोत्री में मां गंगा के उद्गम से लेकर गंगासागर तक आज हर जगह भाजपा का भगवा ध्वज शान से लहरा रहा है। बंगाल में भाजपा को मिली यह ऐतिहासिक जीत हमारे असंख्य कार्यकर्ताओं के त्याग, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। यह उन परिवारों के धैर्य की जीत है, जिन्होंने हिंसा सहकर भी भगवा ध्वज नहीं छोड़ा। भाजपा को शून्य से आज प्रचंड बहुमत तक पहुंचने की इस कठिन यात्रा में जिन कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की आहुति दी, हिंसा झेली, यातनाएं सहीं और फिर भी विचारधारा के पथ से डिगे नहीं, उन सभी कार्यकर्ताओं और उनके परिजनों को नमन करता हूं। बंगाल की जनता ने इस प्रचंड बहुमत से भाजपा के उन सभी शहीद कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी है। इस ऐतिहासिक विजय के लिए मैं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी, पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री समिक भट्टाचार्य जी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री शुभेंदु अधिकारी जी और बंगाल के कोने-कोने में डटे हर एक कार्यकर्ता को बधाई देता हूं। बंगालवासियों ने घुसपैठियों और उनके हितैषियों को ऐसा सबक सिखाया है, जिसे तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली पार्टियां कभी भूल नहीं पाएंगी। बंगाल ने जिन आशाओं और आकांक्षाओं के साथ मोदी जी के नेतृत्व पर यह विश्वास जताया है, हम निश्चित रूप से उन्हें पूरा करेंगे। चैतन्य महाप्रभु, स्वामी विवेकानंद, कविगुरु टैगोर, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे महापुरुषों की पावन भूमि बंगाल का खोया गौरव लौटाने और 'सोनार बांग्ला' के स्वप्न को साकार करने के लिए भाजपा दिन-रात एक कर देगी।

अमित शाह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

दलवार परिणाम

दल का नाम	कुल
भारतीय जनता पार्टी - बीजेपी	208
आल इण्डिया तृणमूल कांग्रेस - एआईटीसी	80
इंडियन नेशनल कांग्रेस - आईएनसी	2
आम जनता उन्नयन पार्टी - एजेयूपी	2
कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (मार्क्सीसिस्ट) - सीपीआई(एम)	1
ऑल इंडिया सेक्यूलर फ्रंट - एआईएसएफ	1
कुल	294

बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ती है, बल्कि यह राज्य में प्रगति के एक नए युग की शुरुआत का संकेत भी देती है।

1972 के बाद पहली बार पश्चिम बंगाल में एक ऐसी पार्टी की सरकार बनने जा रही है जो केंद्र में भी सत्ता में है — यह एक ऐसा घटनाक्रम है जिसके दूरगामी राजनीतिक और प्रशासनिक प्रभाव होंगे। चुनाव परिणामों ने राज्य के राजनीतिक समीकरणों में एक बदलाव को दर्शाया है। भाजपा का मत-प्रतिशत 2021 के 37.97 से बढ़कर 45.85 प्रतिशत हो गया, जबकि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के समर्थन में गिरावट आई और यह 48.02 प्रतिशत से घटकर लगभग 40.8 प्रतिशत रह गया।

मत प्रतिशत में आए इस बदलाव का असर सीटों की संख्या पर

बंगाल अब भय से मुक्त होकर विकास और विश्वास की ओर अग्रसर है : नरेन्द्र मोदी

कई राज्यों में शानदार जीत के बाद भाजपा मुख्यालय में संबोधन

हाल ही में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के आए परिणाम के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 4 मई, 2026 को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि चुनाव परिणामों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं है, बल्कि 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' भी है। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और केरलम की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन चुनावों ने देश को नई दिशा और नया संदेश दिया है। श्री मोदी ने इसे 'विश्वास का दिन' बताते हुए कहा कि यह भरोसे का उत्सव है। यह भारत के लोकतंत्र पर, परफॉर्मेंस की राजनीति पर स्थिरता के संकल्प पर और एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना पर जनता-जनार्दन का अटूट भरोसा है।

लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं भी विजयी हुईं

श्री मोदी ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन के नेतृत्व में पहली बार हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्पण और संगठन की ऊर्जा की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्षों की तपस्या जब सिद्धि में बदलती है तो कार्यकर्ताओं के चेहरे पर जो आनंद झलकता है, वही आनंद आज भाजपा के हर कार्यकर्ता के चेहरे पर दिखाई दे रहा है। लोकतंत्र के महत्व का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि चुनावों में जीत और हार लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन इन पांच राज्यों के चुनाव परिणामों ने दुनिया को यह दिखा दिया कि भारत में लोकतंत्र केवल संवैधानिक व्यवस्था नहीं, बल्कि जनमानस की आत्मा है। इन चुनावों में केवल लोकतंत्र ही नहीं जीता, बल्कि संविधान, संवैधानिक संस्थाएं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं भी विजयी हुई हैं।

गंगोत्री से गंगासागर तक कमल ही कमल खिला

पश्चिम बंगाल में करीब 93 प्रतिशत मतदान को ऐतिहासिक बताते हुए उन्होंने कहा कि असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरलम में भी रिकॉर्ड मतदान हुआ, जिसमें महिलाओं की भागीदारी सबसे अधिक रही। श्री मोदी ने भाजपा की लगातार चुनावी सफलताओं को गुड गवर्नेंस की

राजनीति की विजय बताया। उन्होंने याद दिलाया कि बिहार चुनावों के दौरान उन्होंने कहा था कि गंगा गंगोत्री से गंगासागर तक बहती है और अब पश्चिम बंगाल में विजय के साथ गंगोत्री से गंगासागर तक कमल ही कमल खिल चुका है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और अब पश्चिम बंगाल में भाजपा-एनडीए सरकारों का होना जनता के बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि असम की जनता ने लगातार तीसरी बार भाजपा-एनडीए को आशीर्वाद देकर इतिहास रच दिया है। टी-गार्डन क्षेत्रों में भाजपा को मिला समर्थन असम की नई आकांक्षाओं का संकेत है। असम की महान विभूतियों का स्मरण करते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह राज्य अब विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ेगा।

'नागरिक देवो भव:'

पुडुचेरी का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2021 में एनडीए ने BEST Puducherry का विजन जनता के सामने रखा था और अब जनता ने दूसरी बार उस पर भरोसा जताया है। उन्होंने युवाओं और मछुआरा समुदाय को आश्वस्त किया कि एनडीए सरकार उनके उज्ज्वल भविष्य और हर परिवार की समृद्धि के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। उन्होंने कहा कि आज देश के 20 से अधिक राज्यों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं और उनका मंत्र 'नागरिक देवो भवः' है। जनता साफ देख रही है कि जहां भाजपा की सरकारें हैं, वहां विकास, स्थिरता और सुशासन है। हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार और गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की लगातार सफलताओं को उन्होंने जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण बताया।

बंगाल में शांतिपूर्ण मतदान : लोकतंत्र की नई शुरुआत

पश्चिम बंगाल की ऐतिहासिक विजय को श्री मोदी ने वैचारिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुकर्जी ने जिस सशक्त और समृद्ध बंगाल का सपना देखा था, उसे साकार करने का अवसर आज बंगाल की जनता ने भाजपा को दिया है। उन्होंने कहा कि आज बंगाल भयमुक्त हुआ है और विकास के भरोसे से युक्त हुआ है। उन्होंने इस विजय को वंदे मातरम् के 150वें वर्ष में भारत माता और ऋषि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय को समर्पित बताया। श्री अरविंदो और गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा बंगाल में ऐसा वातावरण बनाएगी, जहां "मन भयमुक्त हो और सिर ऊंचा हो।"

श्री मोदी ने बंगाल में शांतिपूर्ण मतदान को लोकतंत्र की नई शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि पहली बार पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा में किसी निर्दोष नागरिक की जान नहीं गई और यह लोकतंत्र की बड़ी विजय है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि अब "बदला नहीं, बदलाव" की राजनीति होनी चाहिए। भय नहीं, भविष्य की राजनीति होनी चाहिए।

विकसित भारत के निर्माण में 'पूर्वोदय' की बड़ी भूमिका

वैश्विक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि जब दुनिया युद्ध, अस्थिरता और आर्थिक संकटों से जूझ रही थी, तब भारत का मतदाता स्थिरता और विकास के पक्ष में मतदान कर रहा था। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में 'पूर्वोदय' की बड़ी भूमिका है और इसके तीन ऐतिहासिक स्तंभ, अंग, बंग और कलिंग रहे हैं। वे आज फिर भाजपा और एनडीए के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। बिहार, बंगाल और ओडिशा को भारत की प्राचीन आर्थिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक शक्ति का केंद्र बताते हुए उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों की मजबूती विकसित भारत की आधारशिला बनेगी।

नारीशक्ति : विकसित भारत का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ

नारीशक्ति को 'विकसित भारत' का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए श्री मोदी ने कहा कि विपक्ष ने हाल ही में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक रोका है। इसका जवाब महिलाओं ने लोकतांत्रिक तरीके से कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी जैसी दलों को दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में देश की नारीशक्ति उन दलों को पूरी तरह से नकार देगी, जो महिला विरोधी राजनीति करेंगे। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वह आज ऐसी विचारधाराओं को अपनाने लगी है जिन्हें देश पहले ही नकार चुका है। कांग्रेस अर्बन नक्सलियों की सोच को बढ़ावा देने में लगी है। देश अब विवाद नहीं, विकास चाहता है। विभाजन नहीं, विश्वास चाहता है।

एनडीए की जनस्वीकृति का विस्तार

श्री मोदी ने अपने संबोधन के अंत में तमिलनाडु और केरलम की जनता को आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार इन राज्यों के विकास के लिए भी कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगी। भाजपा-एनडीए सरकार जनता की हर उम्मीद और आकांक्षा को पूरा करने के लिए दिन-रात समर्पित रहेगी। क्षेत्रीय और राष्ट्रीय राजनीति पर अपनी बात रखते हुए श्री मोदी ने कहा कि भाजपा केवल एक राष्ट्रीय दल नहीं, बल्कि क्षेत्रीय आकांक्षाओं को राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने वाली पार्टी रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा जमीन से जुड़ी राजनीति करती है, इसलिए आज पूर्वोत्तर, आदिवासी समाज, किसान और मछुआरा भाई-बहन भाजपा के साथ मजबूती से खड़े हैं। इस अवसर पर उन्होंने महाराष्ट्र, गुजरात, नागालैंड और त्रिपुरा के उपचुनावों में मिली जीत को भी जनता के विश्वास का प्रमाण बताते हुए कहा कि यह एनडीए की जनस्वीकृति का विस्तार है।

मुख्य बिंदु

- 'बदला नहीं, बदलाव' के नारे से बंगाल का भविष्य तय होना चाहिए, प्रधानमंत्री ने राजनीतिक हिंसा समाप्त करने का आह्वान किया
- महिला मतदाताओं ने सशक्त संदेश दिया है— मोदीजी ने भारत की विकास यात्रा में 'नारी शक्ति' की अग्रणी भूमिका का समर्थन किया
- गंगा से लेकर ब्रह्मपुत्र तक भाजपा के गवर्नेंस मॉडल को जनता का अभूतपूर्व भरोसा मिल रहा है ■

कई राज्यों में शानदार जीत के बाद भाजपा मुख्यालय में संबोधन

इस विजय का उत्सव मनाएं और कल से नए संकल्प के साथ आगे बढ़ें : नितिन नवीन

हाल ही में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के आए परिणाम के अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने 4 मई, 2026 को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज हम सब यहां उपस्थित हैं और यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। सबसे पहले जय मां कामाख्या, जय मां काली, जय मां भारती। उन्होंने आगे कहा कि आज पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव पूर्ण होने के बाद हमारे भगवान समान जनता, भारत की गौरवशाली जनता ने इन पांच राज्यों में जो ऐतिहासिक समर्थन दिया है, उसके लिए उन सभी पांच राज्यों की जनता को मैं हृदय से बधाई देता हूं कि आपने हमारे नेतृत्व, भाजपा और एनडीए पर अपना विश्वास व्यक्त किया है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन ने कहा कि आज 4 मई है, परिणाम आए हैं। लेकिन मैं आपको 4 जून, 2024 की भी याद दिलाना चाहता हूं। कहीं न कहीं लोगों के दिल में पीड़ा थी कि उन्होंने हमारे नेता को जो समर्थन और विश्वास दिया था... और आज जब 4 मई को हमने भारी बहुमत के साथ शानदार विजय दी है, तो 2024 का वह लक्ष्य पूरा हो गया है।

उन्होंने कहा कि 2024 के बाद जब-जब चुनाव हुए, हर राज्य में भारतीय जनता पार्टी को शानदार जीत देने का काम किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के प्रति आस्था व्यक्त की, विश्वास व्यक्त किया है। और आज जब पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के तीन राज्यों के चुनाव परिणाम आए, तो उन परिणामों ने साफ कर दिया कि आज देश की जनता हमारे नेता, हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी में अटूट विश्वास, अटूट समर्थन रखती है। इसके लिए देश की जनता का मैं आभार व्यक्त करता हूं।

दक्षिण भारत में मजबूत उपस्थिति

श्री नवीन ने कहा जिस तरह हमारी पार्टी दक्षिण भारत में भी मजबूत उपस्थिति बना रही है। आने वाले समय में दक्षिण भारत भी भाजपा का कमल खिलेगा।

श्री नवीन ने कहा कि आज के चुनाव परिणामों के बाद हम अपने सभी कार्यकर्ताओं और शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने अथक परिश्रम किया। हम कह सकते हैं कि यह विजय संघर्ष के बाद आई है, क्योंकि वर्षों तक पूरा पश्चिम बंगाल वामपंथियों के नियंत्रण में रहा और जिस तरह तृणमूल सरकार ने वहां लोगों को हिंसक माहौल में तानाशाही रवैये के साथ रखा। वहां लोगों में पूर्ण भय का माहौल था। आज मैं हमारे कार्यकर्ताओं द्वारा दिए गए बलिदानों को नमन करता हूं। हमारी माताएं-बहनें जिन्होंने अपने बेटों और पतियों को खोया, उनकी समर्पण भावना के लिए बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनता उस भय के माहौल से निकलकर मोदीजी के विश्वास के माहौल में आई है। हम अपने नेता को बधाई देते हैं।

प्रो-इनकंवेंसी की बात

श्री नवीन ने कहा कि देश भर में लोग कहते हैं कि चुनाव में एंटी-इनकंबेंसी होती है। लेकिन मुझे विश्वास है कि भाजपा सरकारों और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के परिणामस्वरूप आज प्रो-इनकंबेंसी की बात हो रही है। यही कारण है कि असम और पुडुचेरी में हमारी सरकारें लगातार दोहराई गईं। यदि आप विकास के वादों को जनता तक पहुंचाते हैं, मोदी की गारंटी को हकीकत में बदलते हैं, तो जनता आपके साथ खड़ी होती है। यही कारण है कि गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार जैसे कई राज्यों में हमारी सरकारें दोहराई जा रही हैं।

आज के चुनाव परिणामों के बाद हम अपने सभी कार्यकर्ताओं और शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने अथक परिश्रम किया। हम कह सकते हैं कि यह विजय संघर्ष के बाद आई है, क्योंकि वर्षों तक पूरा पश्चिम बंगाल वामपंथियों के नियंत्रण में रहा और जिस तरह तृणमूल सरकार ने वहां लोगों को हिंसक माहौल में तानाशाही रवैये के साथ रखा

मोदीजी के प्रति जन-विश्वास

श्री नवीन ने कहा कि आज इन परिणामों के माध्यम से जनता ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि हम आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान हमारे नेता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लिए जो विश्वास और स्नेह देखा, मुझे विश्वास है कि पूरे देश की वर्तमान स्थिति को देखते हुए जो समर्थन हमें मिला है, वह स्पष्ट संकेत देता है कि 2024 के परिणामों के बाद भी, 12 वर्ष बाद भी, प्रधानमंत्री मोदीजी के प्रति लोगों में वही विश्वास, वही प्यार और स्नेह है।

गंगोत्री से गंगासागर तक एनडीए-भाजपा सरकार

श्री नवीन ने कहा कि एनडीए-भाजपा सरकार गंगोत्री से गंगासागर तक बन रही है। यह सिर्फ भौगोलिक विस्तार नहीं है, बल्कि हमारे नेतृत्व के विश्वास का विस्तार भी है। आज मैं पश्चिम बंगाल की विजय को कई मायनों में महत्वपूर्ण मानता हूं। हम कश्मीर की बात करते थे जहां हमारे प्रेरणास्रोत डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुकर्जी ने बलिदान दिया। अनुच्छेद 370 के माध्यम से प्रधानमंत्रीजी ने उस कश्मीर को भारत की जनता से पूरी तरह जोड़ दिया। और आज मैं कहता हूं कि डॉक्टर मुकर्जी जी की जन्मभूमि पश्चिम बंगाल भी भाजपा-मुखी बन गया है। इसके लिए पश्चिम बंगाल की जनता को बधाई।

ताश के पत्तों की तरह बिखर जाएगा इंडी गठबंधन

श्री नवीन ने कहा कि मुझे विश्वास है कि आज का पूरा चुनाव किसी और का नहीं, बल्कि इंडी गठबंधन के नेता राहुल गांधी की हार है। आज मैं आपको आश्वासन देता हूं कि इस चुनाव के परिणामों के बाद इंडी गठबंधन ताश के पत्तों की तरह बिखर जाएगा।

भाजपा का झंडा लगातार लहराता रहे

श्री नवीन ने कहा कि हमारे प्रिय नेता और यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी, आप नेतृत्व करें। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पूरे समर्पण और संघर्ष के साथ आने वाले समय की तैयारी कर चुके हैं। कल से हम फिर पूरे समर्पण और सेवा भाव से काम करेंगे और आने वाले चुनावों की तैयारी करेंगे। हम वे कार्यकर्ता हैं जो एक दिन भी आराम नहीं करते, क्योंकि हमारे नेता हमें हर परिस्थिति में संघर्ष करते हुए आगे बढ़ने का संकल्प देते हैं। तो आइए, इस विजय का उत्सव मनाएं और कल से नए संकल्प के साथ आगे बढ़ें तथा प्रयास करें कि आने वाले समय में पूरे देश में भाजपा का झंडा लगातार लहराता रहे।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया

2026 विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद अंतरराष्ट्रीय प्रकाशनों के पृष्ठ भगवा रंग में रंगे दिखायी दिए, क्योंकि वे चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों की रिपोर्ट कर रहे थे। विदेशी मीडिया की अधिकतर रिपोर्टों का प्रमुख फोकस प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल में चुनावी जीत पर था, जिसने तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी के राज्य पर 15 साल पुराने दबदबे को खत्म कर दिया

बीबीसी

बीबीसी ने अपनी कवरेज में इस बात पर विशेष जोर दिया कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल में विपक्ष के गढ़ पर कब्जा कर लिया है। 'मोदी की भाजपा ने बंगाल को जीता, जो भारत की सबसे मुश्किल राजनीतिक सीमाओं में से एक है' शीर्षक वाले एक लेख में इस ब्रिटिश प्रकाशन ने दावा किया कि इस पूर्वी राज्य में भाजपा की जीत 'मोदी के 12 साल के शासन की सबसे अहम सफलताओं में से एक मानी जाएगी।'

लेख में कहा गया, 'यह केवल लगातार तीन बार सत्ता में रही पार्टी की हार नहीं है, बल्कि पूर्वी भारत में पार्टी की लंबी यात्रा का पूर्ण होना भी है...'

द गार्डियन

एक और प्रमुख ब्रिटिश दैनिक 'द गार्डियन' ने भी बंगाल के नतीजों पर ध्यान केंद्रित किया। उसने बताया कि यह राज्य विपक्ष का एक ऐसा दुर्लभ गढ़ रहा है, जो पूरे देश में भाजपा की सत्ता-पकड़ के बाद भी बेजोड़ रहा।

'नरेन्द्र मोदी की भाजपा की पहली बार पश्चिम बंगाल में चुनाव जीता' शीर्षक वाले इस लेख में कहा गया है कि बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों का 'भारत के राजनीतिक परिदृश्य पर गहरा असर पड़ेगा और यह पहले से ही कमजोर विपक्ष के लिए एक और मनोबल तोड़ने वाला झटका होगा...'

न्यूयॉर्क टाइम्स

अमेरिका में न्यूयॉर्क टाइम्स ने 'मोदी के हिंदू राष्ट्रवादी भारत का विपक्ष के एक और गढ़ पर कब्जा' शीर्षक वाली अपनी एक रिपोर्ट में पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रदर्शन को 'ऐतिहासिक' बताया। रिपोर्ट में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी की भाजपा ने 'दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को नए सिरे से गढ़ने के अपने दशकों लंबे अभियान में सोमवार को एक नई मिसाल कायम की; उसने देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में से एक में विधानसभा चुनाव जीता, जहां वह इससे पहले कभी भी सत्ता के इतने करीब नहीं पहुंची थी...'

द वॉशिंगटन पोस्ट

द वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों से उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी की 'साख बढ़ेगी और उनके तीसरे कार्यकाल के बीच में उनकी स्थिति और मजबूत होगी।'

लेख में कहा गया, '2024 के आम चुनावों ने सत्ताधारी पार्टी को सरकार बनाने के लिए क्षेत्रीय सहयोगियों पर निर्भर रहने पर मजबूर कर दिया। उम्मीद है कि वे 2029 में रिकॉर्ड चौथी बार चुनाव लड़ेंगे।' रिपोर्ट में केरलम पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जहां भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने सत्ताधारी कम्युनिस्ट सरकार को हरा दिया, जिससे वामपंथियों के आखिरी बचे गढ़ों में से एक में उनका शासन समाप्त हो गया...।

द डॉन

पाकिस्तान में 'द डॉन' ने चुनावों पर एएफपी की रिपोर्ट छापी, जिसमें कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी की 'राष्ट्रवादी पार्टी' ने 'विपक्ष-शासित पश्चिम बंगाल राज्य' के अहम चुनावों में शानदार जीत हासिल की है और अपने विरोधी के एक ऐसे गढ़ पर कब्जा कर लिया है जिस पर उनका लंबे समय से कब्जा था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि इन नतीजों से प्रधानमंत्री मोदी की स्थिति 'और भी मजबूत हो जाएगी...'

नरेंद्र मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता

By Erik Solheim, DN

पश्चिमी देशों के नेताओं को नरेंद्र मोदी द्वारा पर्यावरण पर लगातार दिए जाने वाले जोर से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है।

दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नॉर्वे की यात्रा पर थे। यहाँ King Harald ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस यात्रा के दौरान भारतीय व्यापार को बढ़ावा दिया। वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से मिले और भारत-नॉर्डिक देशों के प्रधानमंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया। नॉर्डिक देशों के प्रधानमंत्रियों को मोदी की बात ध्यान से सुननी चाहिए, क्योंकि उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला।

जहां नॉर्डिक देशों के प्रधानमंत्रियों की लोकप्रियता अपने देश में मुश्किल से 30 प्रतिशत तक है, वहीं मोदी की लोकप्रियता करीब 70 प्रतिशत है। दुनिया के किसी बड़े देश का नेता अपने देश में मोदी जितना लोकप्रिय नहीं है।

मोदी पिछले 12 साल से ज्यादा समय से भारत की सत्ता में हैं। अगर वह फिर चुनाव लड़ते हैं, तो सभी संकेत बताते हैं कि उन्हें फिर से जीत हासिल हो सकती है। यूरोप के नेताओं के लिए यह केवल एक सपने जैसा है। उनकी सफलता के पीछे तेज आर्थिक विकास, मजबूत विचारधारा, दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी और उनकी निजी जीवन यात्रा का बड़ा योगदान है।

मोदी की पृष्ठभूमि दुनिया के ज्यादातर नेताओं से बिल्कुल अलग है। दुनिया के अधिकतर राष्ट्राध्यक्ष उच्च मध्यम वर्ग से आते हैं, लेकिन मोदी का बचपन बहुत साधारण था। उनके माता-पिता गुजरात के छोटे से कस्बे वडनगर के रेलवे स्टेशन पर चाय बेचते थे। यह कस्बा इतना छोटा है कि भारत में भी मुश्किल से कुछ ही लोग इसका नाम जानते थे। मोदी आज जहां हैं, वहां तक अपने खुद के बलबूते पर पहुंचे हैं और इसमें हिंदू राष्ट्रवादी आंदोलन का भी बड़ा योगदान रहा है। वह नॉर्वे के पूर्व प्रधानमंत्री Einar Gerhardsen की तरह हैं - खुद सीखने वाले और मजबूत संगठनकर्ता।

मोदी ऐसे समय में भारत का नेतृत्व कर रहे हैं जब देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और इस विकास में उनका स्वयं का भी बड़ा योगदान है। भारत की अर्थव्यवस्था इस समय 7 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रही है जोकि चीन से भी तेज है और दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से काफी आगे है।

हालांकि विकास हर जगह समान नहीं है। भारत के अमीर और गरीब राज्यों के बीच बड़ा अंतर है। भारत के पास चीन जैसी बहुत बड़ी शिक्षित workforce नहीं है। यहां अब भी नौकरशाही ज्यादा है और भारत अभी तक वैश्विक बाजार में निर्यात के लिए कोई प्रमुख

उद्योग विकसित नहीं कर पाया है, लेकिन अगर विकास की यह दर बनी रही, तो 2050 तक भारत की अर्थव्यवस्था चार गुना हो जाएगी। तब भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है और अमेरिका को चुनौती देगा।

मैं भारत के लगभग हर राज्य में गया हूं और हर जगह विकास के संकेत दिखाई देते हैं। नए और आधुनिक एयरपोर्ट बन रहे हैं। दूर-दराज के इलाकों तक अच्छी सड़कें पहुंच रही हैं। गुजरात में दुनिया का सबसे बड़ा सोलर पार्क बन रहा है और आंध्र प्रदेश में दुनिया का सबसे बड़ा सोलर-विंड-हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट तैयार हो रहा है।

मोदी हरित विकास यानी ग्रीन ग्रोथ के सबसे बड़े समर्थक हैं। भारत आज दुनिया में सौर और पवन ऊर्जा का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। अगर भारत अमेरिका को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच जाए तो इसमें हैरानी नहीं होनी चाहिए। पिछले साल भारत में कोयले से होने वाला प्रदूषण पहली बार कम हुआ।

पश्चिमी देशों के नेता मोदी द्वारा लगातार दिए जाने वाले पर्यावरण संदेश से बहुत कुछ सीख सकते हैं। मैं कई सम्मेलनों में गया हूं जहां मोदी मुख्य वक्ता रहे हैं। मोदी लगभग कभी जलवायु समझौतों या उत्सर्जन की बात नहीं करते। वह लोगों से पर्यावरण बचाने के लिए त्याग करने की अपील भी नहीं करते। उनका संदेश साफ होता है कि भारत 1.5 अरब लोगों को गरीबी से बाहर निकाल सकता है और यह काम ग्रीन ग्रोथ के जरिए किया जा सकता है। अब अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के बीच चुनाव करने की जरूरत नहीं है।

अगर अगला चुनाव धर्मनिरपेक्ष पार्टियां जीत भी जाएं, तब भी भारत की मुख्य विचारधारा हिंदू राष्ट्रवाद ही रहेगी। हिंदू राष्ट्रवाद उस

सवाल का भारत का जवाब है जिसका सामना औद्योगिक क्रांति के बाद लगभग हर गैर-पश्चिमी देश ने किया। सवाल यह था कि आधुनिक कैसे बनें, लेकिन पूरी तरह पश्चिम जैसा बने बिना। इस रास्ते को सबसे पहले जापान ने अपनाया। जापान आधुनिक भी बना और अपनी संस्कृति से भी जुड़ा रहा। आज दक्षिण कोरिया जापान से ज्यादा अमीर है और अपनी संस्कृति व संगीत को पूरी दुनिया तक पहुंचा रहा है। चीन भी अपनी आधुनिकता को कन्फ्यूशियस विचारधारा, ताओवाद और बौद्ध धर्म जैसी अपनी परंपराओं से जोड़ता है। भारतीय जनता पार्टी इस समय दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। इसके 10 करोड़ से ज्यादा सदस्य हैं। उत्तर और मध्य भारत के हर क्षेत्र में पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता मौजूद हैं। भाजपा ने भारत में एक अनोखी सफलता हासिल की है। उसे ऊंची जातियों, पिछड़ी जातियों और दलित समुदायों से एक समान समर्थन मिलता है। पार्टी को भारत के अरबपतियों का भी समर्थन है और दूरदराज के आदिवासी इलाकों का भी।

पश्चिमी देशों के कई विश्लेषक भाजपा की आलोचना करते रहते हैं। आलोचक एक बात उचित कहते हैं कि भाजपा हिंदुओं को एकजुट करने की बात करती है, लेकिन ऐसा कोई बड़ा प्रमाण नहीं है कि भाजपा के शासनकाल में हिंदू-मुस्लिम संघर्ष बढ़े हों। कांग्रेस के समय ज्यादा हिंसा और दंगे हुए थे। पड़ोसी देशों से लाखों मुसलमान भारत आ रहे हैं, जबकि बहुत कम मुसलमान भारत छोड़कर जा रहे हैं। लेकिन भाजपा का यह कहना कि इस्लाम और ईसाई धर्म विदेशी धर्म हैं, और मुस्लिम आक्रमणों को ब्रिटिश शासन के बराबर मानना, कई मुसलमानों में असुरक्षा पैदा करता है। भाजपा के कई सुझाव सामान्य समझ वाले लगते हैं। जैसे कि यह विचार कि कोई अलग विवाह कानून नहीं होना चाहिए जिसके तहत मुस्लिम पुरुष अन्य पुरुषों की तुलना में अधिक आसानी से तलाक ले सकें, लेकिन एक नए और मजबूत हिंदू पहचान वाले भारत के निर्माण में असली परीक्षा यह होगी कि क्या भाजपा दुनिया के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय- भारत के 20 करोड़ मुसलमानों को भी साथ लेकर चल पाती है। भारत दुनिया का एकमात्र बड़ा और गरीब पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश है जिसने लोकतंत्र का रास्ता चुना। इसका श्रेय ब्रिटिश शासन को नहीं दिया जा सकता। अगर ऐसा होता, तो पाकिस्तान, म्यांमार और खाड़ी देशों में भी लोकतंत्र होता। भारत लोकतांत्रिक इसलिए है क्योंकि लोकतंत्र भारतीय संस्कृति और परंपरा में गहराई से जुड़ा हुआ है।

आज की दुनिया में नॉर्वे जैसे देशों को नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए नए सहयोगियों की जरूरत है। नॉर्वे के व्यापार को भी नए अवसर चाहिए। ऐसे में भारत के साथ मजबूत संबंध दोनों देशों के लिए फायदेमंद हो सकते हैं, लेकिन इसके लिए केवल भाषण देने की नहीं, बल्कि भारत की बात सुनने की भी जरूरत है। अगर ऐसा हुआ, तो दोनों देशों के लिए कई नए अवसर खुल सकते हैं।

देवकमल के आजीवन सदस्य बनें
आज ही देवकमल की सदस्यता लें और राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना सहयोग दें

सदस्यता प्रपत्र

नाम :

पूरा पता:

दूरभाष : मोबाइल : (1) (2)

ईमेल :

सदस्यता					
	एक वर्ष	₹ 150/-	☐	आजीवन सदस्यता	₹ 5000/- ☐
	तीन वर्ष	₹ 550/-	☐		

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र.: दिनांक : बैंक :

नोट: डीडी/ चेक, 'देवकमल' के नाम देय होगा।

मनी ऑर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे। (हस्ताक्षर)

देवकमल

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें :-

भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखंड

प्रदेश कार्यालय, 39/29/3 बलवीर रोड, देहरादून, उत्तराखंड, पिन नं. 248001, फोन नं. 0135-2669578

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर उत्तराखंड भाजपा प्रदेश मुख्यालय देहरादून में जीत का जश्न मनाते प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट, मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय जी, राज्यसभा सांसद श्री नरेश बंसल, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, दायित्वधारी श्री विनय रोहिला तथा भाजपा प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पौधरोरण करते प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट, प्रदेश महामंत्री श्री कुंदन परिहार, राज्यसभा सांसद श्री नरेश बंसल, दायित्वधारी श्रीमती मधु भट्ट व अन्य।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नैनीताल में पौधारोपण करते मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, विधायक श्रीमती सरिता आर्य, जिलाध्यक्ष श्री प्रताप बिष्ट।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा मुख्यालय में पौधरोपण करते प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय जी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर राजपुर विधानसभा के अंबेडकर मंडल में पौधरोपण करते कैबिनेट मंत्री श्री खजान दास एवं अन्य विशिष्टजन।

विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के अंतर्गत मालसी डियर पार्क में वृक्षारोपण करते कैबिनेट मंत्री श्री सुबोध उनियाल ।

देवकमल
उत्तराखण्ड भाजपा का वैचारिक मुखपत्र

प्रेषण की तिथि : चालू माह की 15वीं तारीख
RNI No. UTTHIN/2022/81460
Postal Registration No.: UA/DO/DDN/02/2022-24
भाजपा प्रदेश मुख्यालय,
39/29/3, बलवीर रोड,देहरादून- 248001

देहरादून आगमन पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन का विभिन्न स्थलों पर स्वागत करते पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी श्रीमती विनोद उनियाल, (प्रदेश प्रमुख प्रकाशन विभाग) द्वारा भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखंड के लिए प्रदेश कार्यालय, 39/29/3 बलवीर रोड, देहरादून से प्रकाशित तथा सरस्वती प्रेस, 2 ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून से मुद्रित।

देवकमल के लिए अपने जनपद तथा भाजपा संगठन के विशेष कार्यक्रमों के चित्र तथा जानकारी इस मेल पर भेजें।
ई-मेलः- editordevkamal@gmail.com
/ Devkamal4uk